वर्ष 24, अंक 192, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 20 जनवरी 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

## वैश्विक तनाव के बावजूद भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.3% किया



**नई दिल्ली**

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी किए गए नवीनतम अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक विश्वास को और मजबूती दी है। वैश्विक व्यापारिक तनावों के बावजूद भारत की विकास यात्रा अपनी गति बनाए हुए है। वैश्विक व्यापार नीतियों में अनिश्चितता और टैरिफ के बढ़ते तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने दुनिया को अपनी मजबूती का परिचय दिया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सोमवार, 19 जनवरी 2026 को जारी अपनी 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 7.3% कर दिया है।

IMF ने कहा, "भारत में, 2025 के लिए ग्रोथ को 0.7 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, जो साल की तीसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजों और चौथी तिमाही में मजबूत गति को दिखाता है। 2026 और 2027 में ग्रोथ 6.4 प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है क्योंकि साइक्लिकल और अस्थायी कारक कमजोर होंगे।" कैलेंडर वर्ष 2026 और 2027 के लिए, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने क्रमशः 6.3 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान लगाया है।

### विश्व अर्थव्यवस्था में 3.3% विस्तार का अनुमान

191 देशों के इस कर्ज देने वाले संगठन को उम्मीद है कि इस साल ग्लोबल ग्रोथ 3.3 प्रतिशत रहेगी, जो 2025 के समान है, लेकिन अक्टूबर में 2026 के लिए अनुमानित 3.1 प्रतिशत से अधिक है। भारत का मजबूत आउटलुक मजबूत घरेलू मांग, लगातार सार्वजनिक निवेश और निजी पूंजीगत खर्च में धीरे-धीरे सुधार पर आधारित है। अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में, भारत की ग्रोथ की राह काफी मजबूत बनी हुई हैः 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका में 2.4 प्रतिशत, चीन में 4.5 प्रतिशत और यूरो क्षेत्र में मामूली 1.3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ का अनुमान है।

### भारत ने क्षेत्रीय देशों को पीछे छोड़ा

उभरती और विकासशील एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में, भारत आगे बना हुआ है, क्षेत्रीय देशों को पीछे छोड़ रहा है ।

## भाजपा को मिला नया बॉस! नितिन नबीन निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

### आज होगी ताजपोशी, पीएम मोदी रहेंगे मौजूद

**नई दिल्ली**

**भाजपा** के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद एकमात्र प्रस्तावित नाम होने के कारण पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भाजपा संगठन पर्व के राष्ट्रीय प्रतिवेदक डॉ. के. लक्ष्मण के अनुसार, नामांकन वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नाम - नितिन नबीन का - प्रस्तावित किया गया था। पार्टी ने पुष्टि की कि उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट जमा किए गए थे, और इस पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार का नाम प्रस्तावित नहीं किया गया था। लक्ष्मण ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में, मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नाम, नितिन नबीन का नाम प्रस्तावित किया गया है। 45 वर्षीय नबीन को 14 दिसंबर, 2025 को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित शीर्ष नेताओं ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

20 जनवरी, 2026 को सुबह 11:30 बजे होने वाला यह सत्ता हस्तांतरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में होगा। दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व विधायक नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र नवीन बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और राज्य सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं। आरएसएस से जुड़े होने के कारण पार्टी के भीतर उन्हें एक संगठनात्मक रूप से मजबूत और वैचारिक साख रखने वाले नेता के रूप में देखा जाता है, जो भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव का प्रतीक है।

अपने मजबूत जमीनी समर्थन के लिए जाने जाने वाले नबीन ने लगातार विधानसभा चुनावों (2010, 2015, 2020 और 2025) में यह सीट जीती है, साथ ही 2006 में उपचुनाव में भी जीत हासिल की थी।

## बरेली नमाज मामले पर बीजेपी के मुस्लिम नेता की प्रतिक्रिया

**उत्तर प्रदेश**

**उत्तर प्रदेश** के बरेली जिले के बिशारतगंज थानाक्षेत्र के मोहम्मद गंज गांव में खाली पड़े एक मकान में ह्यह्यबिना प्रशासनिक अनुमतिह्लह्ल के नमाज अदा करने के आरोप में पुलिस ने 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया. इस मामले को लेकर यूपी की राजनीति हलचल भी तेज है, अब इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की भी प्रतिक्रिया सामने आई है.

बीजेपी नेता शम्सी आजाद ने कहा कि बरेली में जो घटना हुई, जिसमें बंद मकान में लोगों ने मदरसा बनाया, यह बहुत ही गलत है. इस्लाम कभी भी इसकी इजाजत नहीं देता...इस्लाम उस जमीन और कभी भी नमाज कबूल नहीं करता जिस पर एक इंच भी बेईमानी की गई हो. जब तक जिसकी जमीन है उससे इजाजत न मिले वो भी संविधान और कानून के दायरे में हो. क्योंकि हम जिस देश में रह रहे हैं उसमें सबसे बड़ा संविधान है और जब हमने संविधान का पालन नहीं किया तो हमने अपने मजहब से गद्दारी की।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का सिर्फ 2 घंटे का भारत दौरा, पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत, दोस्ती की दिखी गर्मजोशी

## मेयर पद के लिए दिखेंगे नए राजनीतिक समीकरण?

### डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने क्लियर किया स्टैंड

**महाराष्ट्र**

**महाराष्ट्र** के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव परिणाम आने के बाद नये राजनीतिक समीकरण की खबरों को खारिज कर दिया है.

उन्होंने सोमवार (19 जनवरी) को कहा कि मुंबई में महायुति का महापौर होगा. शिंदे ने मीडिया को बताया कि जिन नगर निकायों में शिवसेना और बीजेपी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, उनमें महायुति गठबंधन के महापौरों को नियुक्त किया जाएगा. उपमुख्यमंत्री ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि शिवसेना जनादेश के खिलाफ नहीं जाएगी.

शिंदे का यह बयान बीएमसी में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन द्वारा मामूली बहुमत हासिल करने के बाद, शिवसेना के 29 निर्वाचित पार्षदों को मुंबई के एक होटल में स्थानांतरित किए जाने को लेकर जारी बहस के बीच आया है. चुनाव परिणाम पिछले सप्ताह शुक्रवार को घोषित किये गए थे. ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिंदे शिवसेना के लिए बीएमसी महापौर का पद कम से कम पहले ढाई साल के लिए सुनिश्चित करना चाहते हैं, क्योंकि यह पार्टी के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी वर्ष है.

### पार्षदों को होटल में रखे जाने पर क्या बोले शिंदे?

शिंदे ने मीडिया से बातचीत में कहा, शिवसेना और बीजेपी ने बीएमसी चुनाव गठबंधन के तहत लड़ा था, इसलिए महायुति के उम्मीदवार महापौर बनेंगे. ठाणे, कल्याण-डोम्बिवली, उल्हासनगर और अन्य नगर निकायों में भी यही निर्णय लिया जाएगा, जहां गठबंधन ने संयुक्त रूप से चुनाव लड़ा था.ह्लह्ल आधिकारिक तौर पर, शिवसेना का कहना है कि नव निर्वाचित सदस्यों को देश के सबसे धनी नगर निकाय के कामकाज से अवगत कराने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए होटल में स्थानांतरित किया गया।

## 'झूठ आपको शोभा नहीं देता'- शिवराज सिंह चौहान




**नई दिल्ली**

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस नेताओं पर गलत सूचना फैलाने और कानून को लेकर अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि यह सत्य नहीं है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चौहान ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के उद्देश्य का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना जमीनी स्तर पर किसानों और मजदूरों के बीच समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देती है।

चौहान ने कहा कि अगर हमारे मजदूर भाई-बहन और किसान मिलकर काम करते हैं, तो इसमें क्या गलत है? मैं राहुल जी और खरगे जी से एक बार फिर आग्रह करना चाहता हूं कि इस तरह का झूठ आपको शोभा नहीं देता। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वे "झूठ का अड्डा" और तथ्यों का गलत प्रस्तुतीकरण बंद करें। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खर्गे के बयानों और ऑनलाइन पोस्ट का हवाला देते हुए चौहान ने पूछा कि गलत सूचना फैलाने के लिए एआई-जनरेटेड तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं। क्या लोकतंत्र में यह जायज है? आप एआई-जनरेटेड तस्वीरें क्यों पोस्ट कर रहे हैं?

क्या आपको जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है?" उन्होंने विपक्ष से आगे कहा, "मैं एक बार फिर आग्रह करता हूं कि वे झूठ का यह अड्डा बंद कर दें।

## भाजपा का डर खत्म, अब जनता उठा रही आवाज- केजरीवाल

**नई दिल्ली**

**आम** आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पार्टी बूथ कार्यकताओं की भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के भय को दूर करते हुए खुलकर बोलने के लिए नागरिकों की सराहना की। भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में थी। उन्होंने कहा कि कभी सबसे समृद्ध राज्य रहा गुजरात, भाजपा द्वारा तीन वर्षों में पूरी तरह से कंगाल कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। लोगों के मन से धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं।

एक समय था जब गुजरात देश का सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। उस समय गुजरात के लोग समृद्ध थे। आज, तीन वर्षों के भीतर, भाजपा ने सब कुछ लूट लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हद्दाद गांव में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के बावजूद कई किसानों को गिरफ्तार किया गया। बोटाद के हद्दाद गांव में तीन महीने से चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन में गुजरात सरकार ने 85 किसानों को गिरफ्तार किया है। ये गरीब किसान थे।

## कुलदीप सिंह सेंगर को फिर नहीं मिली राहत

### उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सजा निलंबित करने की याचिका खारिज




**उन्नाव**

**दिल्ली** उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से संबंधित मामले (कुलदीप सिंह सेंगर बनाम केंद्रीय जांच ब्यूरो) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर दुडेजा ने कहा कि सेंगर 10 साल की सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिता चुके हैं और इस मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर फैसला आने में देरी हुई है। यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, उन्होंने जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी। उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता को सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल, 2018 को पुलिस की बर्बरता के कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। मार्च 2020 में दिल्ली की एक अदालत ने सेंगर और अन्य को उनकी मृत्यु के लिए दोषी ठहराया और 10 साल की कैद की सजा सुनाई।

गौरतलब है कि जून 2024 में उच्च न्यायालय ने सेंगर की इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने तब कहा था कि अपराध की गंभीरता, अपराध की प्रकृति, दोषी का आपराधिक इतिहास और न्यायपालिका में जनता के विश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, सेंगर सजा निलंबन के हकदार नहीं हैं। उन्नाव बलात्कार पीड़िता, जो एक नाबालिग थी, को कथित तौर पर 11 जून से 20 जून, 2017 के बीच सेंगर द्वारा अगवा कर बलात्कार किया गया था। इसके बाद उसे 60,000 रुपये में बेच दिया गया था। पीड़िता को सेंगर के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार धमकाया गया और चुप रहने की चेतावनी दी गई।

इस मामले में उस समय विवाद खड़ा हो गया जब बिना नंबर प्लेट वाली एक लॉरी ने पीड़िता की कार को टक्कर मार दी। पीड़िता और उसके वकील गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उसकी दो चाचियों का निधन हो गया। अगस्त 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव बलात्कार मामले से संबंधित चार मामलों की सुनवाई दिल्ली स्थानांतरित कर दी और आदेश दिया कि सुनवाई प्रतिदिन के आधार पर की जाए और 45 दिनों के भीतर पूरी की जाए।

### पैराटूपर गजेंद्र सिंह की शहादत से गमगीन हुआ देश

## तिरंगे की आन पर किश्तवाड़ में कुर्बान हुआ एक और लाल



**जम्मू-कश्मीर**

**जम्मू-कश्मीर** के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ लोहा लेते हुए भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज का एक पैराट्रूपर शहीद हो गया है। सोमवार को अधिकारियों ने पुष्टि की कि चतरू बेल्ट के घने जंगलों में जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के आतंकवादियों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में हवलदार गजेंद्र सिंह ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इलाके में अभी भी 2-3 आतंकवादियों के छिपे होने की आशंका है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

### कश्मीर के किश्तवाड़ में मुठभेड़

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में एक मुठभेड़ में भारतीय सेना के स्पेशल फोर्सेज के एक पैराटूपर की मौत हो गई, और इलाके में सर्च ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी है। जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। यह मुठभेड़ रविवार को चतरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में हुई, जब इलाके में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के कुछ आतंकवादियों के बारे में खास जानकारी मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा अचानक ग्रेनेड फेंकने से आठ जवान घायल हो गए, और कहा कि मुश्किल इलाका होने के कारण ऑपरेशन मुश्किल हो गया है।

### गणतंत्र दिवस से पहले हाई अलर्ट

जम्मू क्षेत्र में इस साल की यह तीसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले 7 और 13 जनवरी को कठुआ के बिलावर में मुठभेड़ हुई थी। 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के मद्देनजर खुफिया रिपोर्टों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकता है। इसी कारण पूरी नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बल अत्यधिक सतर्क हैं।

## मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने उससे शादी की- प्रतीक यादव

**नई दिल्ली**

सपा चीफ अखिलेश यादव के भाई प्रतीप यादव ने पत्नी अपर्णा यादव से तलाक का फैसला कर लिया है. इस बीच अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने अपर्णा यादव को फिर निशाने पर लिया. प्रतीक ने कहा कि वो अपने बच्चे की कसम खाकर कहते हैं कि अपने जीवन में उन्होंने सबसे बड़ा झूठा देखा है. अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में उन्होंने अपर्णा यादव को अब तक का सबसे स्वार्थी शख्स करार दिया.

अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, "मां से रिश्ता तुड़वा दिया. पिता से रिश्ता तोड़ा. अपने भाई से रिश्ता तोड़ा. सिर्फ मशहूर होना चाहती है. मैं अपने बच्चे की कसम खाकर कहता हूं कि मैंने अपने जीवन का सबसे झूठा इंसान देखा. इतना खुदगर्ज.इंसान मैंने आज तक नहीं देखा."

### मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने उससे शादी की- प्रतीक यादव

प्रतीप यादव ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा, "मैं जल्द से जल्द इस मतलबी औरत को तलाक देने जा रहा हूं. उसने मेरे पारिवारिक रिश्ते खराब कर दिए. वह बस मशहूर और प्रभावशाली बनना चाहती है. अभी मेरी मानसिक हालत बहुत खराब है और उसे कोई फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि उसे सिर्फ अपनी ही चिंता है. मैंने इतनी बुरी आत्मा कभी नहीं देखी, और मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने उससे शादी की."

प्रतीक यादव मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं।

## दो बाईकों में जबरदस्त टक्कर, दोनों बाइक चालकों की मौत, दो घायल

**सोरांव।** रविवार शाम करीब 5 बजे सोरांव थाना क्षेत्र के सूबेदार के किनारा के पास दो बाईकों में जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों चालकों की मौत हो गई तथा दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना पर पहुंची सोराव पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांगीपुर होलागढ़ ले गई जहां पर डॉक्टरों ने दो घायलों को मृत घोषित कर दिया वहीं दो घायलों को स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल रिफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार दीपक 19 साल पुत्र अनिल कुमार निवासी मादूपुर थाना नवाबगंज अपने मित्र देव कुमार पुत्र मानिक चंद्र निवासी पसियापुर को बैठाकर बाइक से कहीं जा रहा था जैसे ही वह सोराव थाना क्षेत्र के सूबेदार के इनारा के करीब पहुंचा था वैसे ही विपिन कुमार 25 वर्ष पुत्र बृजेश्वर निवासी जमुनीपुर अपनी भाभी छाया देवी पत्नी बबलू को बाइक पर बैठाकर घर पहुंचा तभी दोनों मोटर साइकिल में जबरदस्त टक्कर हो गई। जिससे दोनों मोटरसाइकिल चालक दीपक कुमार व दूसरा विपिन कुमार संग पीछे बैठे लोगों को गंभीर चोटे आई।

सूचना पर पहुंची सोरांव पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होलागढ़ ले गए जहां पर दीपक कुमार 19 वर्ष तथा विपिन कुमार 25 वर्ष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया वहीं घायल देव कुमार पुत्र मानिक चंद्र निवासी पसियापुर थाना नवाबगंज तथा छाया पत्नी बबलू निवासिनी जमुनीपुर थाना होलागढ़ को स्वरूप रानी रेफर कर दिया गया जहां पर इलाज चल रहा।

जिसमें दोनों घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सोरांव पुलिस मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी सोराव केशव वर्मा ने बताया कि अभी किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## उधार दिया गया पैसा मांगने पर मां बेटी की पिटाई, मुकदमा दर्ज

**मऊआइमा।** उधार दिया गया पैसा मांगने पर मां बेटी को लाठी डंडो से मार पीट कर जख्मी कर दिया गया। पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्षेत्र के ग्राम चकश्याम निवासनीय खुशबू पुत्री सुरेश कुमार का कहना है कि उससे पड़ोसी दस हजार रूपए उधारी पैसा लिए थे। मांगने पर मारे पीटे जब इसकी सूचना डायल 112 नम्बर की पुलिस को दी और वह आयी तो सारे लोग भाग गए। खुशबू का आरोप है कि वह अपनी मां के साथ थाने जा रही थी जैसे चौहान का पूरा नहर के पास पहुंचे थे कि विपक्षी घेर कर लाठी डंडा से मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। खुशबू ने मऊआइमा थाने में वीरेंद्र कुमार,राजाराम, वीरेंद्र की पत्नी नाम अज्ञात निवासी चकश्याम तथा वीरेंद्र का साला नाम अज्ञात, वीरेंद्र का ससुर नाम अज्ञात सभी निवासीगण मलखानपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

## पंडित उमाकांत शुक्ला टेक्नालाजिकल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भंडारे का आयोजन

अखंड भारत संदेश

**जंघई।** पंडित उमाकांत शुक्ला टेक्नालाजिकल रिसर्च एंड डेवलमेंट चैरिटेबल ट्रस्ट शुकुलपुर, गिर्दकोट द्वारा माघ मेला में मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में साधु संतों, श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों, निराश्रितों हेतु भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के आयोजक सचिव देवेंद्र शुक्ला एवं शिविर संचालक धर्मेंद्र कुमार योगेश शुक्ला एडवोकेट ने कहा कि माघ मेले में सेवाभाव से हम लोग पूरे मनोयोग से श्रद्धालुओं के लिए तत्पर हैं। साधु संतों एवं स्नानार्थियों हेतु भंडारे का आयोजन प्रतिवर्ष करते हैं, अपनी सेवा देते हैं और निस्वार्थ भाव से श्रद्धालुओं के लिए भंडारा की व्यवस्था करते हैं। इस अवसर पर शिवम तिवारी, अतुल पांडेय, लाली शुक्ला, जियालाल यादव, शशिभूषण शुक्ला, शांतनु, जगदीश शुक्ला आदि लोग सेवा कार्य लगे हैं।

## न्यूज झरोखा

### सपा का बीएलए एवं एसआईआर समीक्षा सम्मेलन बेदौं -करछना में 21 को

**करछना।** समाजवादी पार्टी जमुनापार का बीएलए एवं एसआईआर समीक्षा सम्मेलन मिर्जापुर रोड स्थित सोनाक्षी गेस्ट हाउस बेन्दो विधानसभा करछना में आगामी 21 जनवरी 2026 को संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव/विधायक एवं एसआईआर प्रभारी मा0 इंद्रजीत सरोज जी तथा विशिष्ट अतिथि मेजा विधायक मा0 संदीप पटेल जी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जमुनापार के जिलाध्यक्ष श्री पप्पू लाल निषाद जी करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष करछना ननकेश बाबू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य अतिथि श्री सरोज करछना, मेजा, बारा तथा कोराव विधानसभा क्षेत्र के बीएलए तथा एसआईआर की बृहद समीक्षा करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्षगण मेजा, बारा, कोराव तथा करछना एवं ब्लॉक, सेक्टर प्रभारीगण, जिले के जमुनापार के समस्त पदाधिकारीगण एवं सभी फ्रंटल संगठनों संगठनों के सम्मानित पदाधिकारीगण मौजूद रहेंगे। समस्त विधानसभा क्षेत्र के बीएलए, बूथ प्रभारी तथा सेक्टर प्रभारी एवं जोन प्रभारी अपने कार्यकताओं के साथ उपस्थित रहेंगे। जिला इकाई, विधानसभा इकाई के सभी पदाधिकारियों से अपील है कि निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने का कष्ट करें।

### पिछले एक साल से जर्जर हालत में बाबा बूढ़े नाथ मार्ग

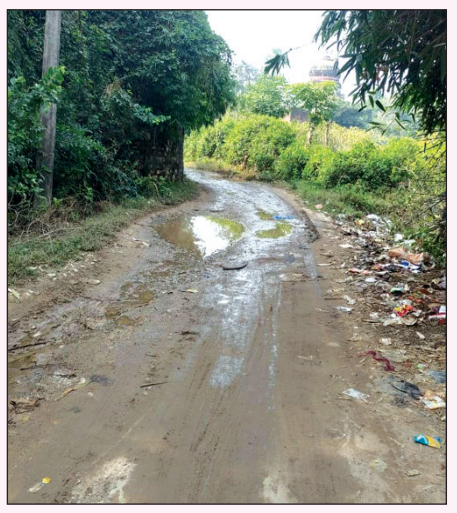

**मांडा।** पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय वी.पी. सिंह की कोठी के पीछे स्थित बाबा बूढ़े नाथ मार्ग पिछले एक साल से जर्जर हालत में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीर और दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं। यह मार्ग बाबा बूढ़े नाथ मंदिर जाने का प्रमुख रास्ता है, जिस पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु आवाजाही करते हैं। सड़क की अत्यधिक खराब हालत के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय निवासी महेश गौड़ सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई है। हालांकि, अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है और न ही किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि चुनाव के दौरान वादे करते हैं, लेकिन बाद में क्षेत्र की समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। सड़क की बदहाली के कारण स्थानीय लोग वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग की इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

## कोटेदार की माताजी का निधन, परिजन एवं क्षेत्रवासियों ने दी श्रद्धांजलि

**जंघई।** छोटा कठार गांव निवासी पंडित हरिश्चंद्र पांडेय की धर्म पत्नी चंपा देवी एवं कोटेदार सुरेश चंद्र पांडेय की माताजी का बीमारी से निधन हो गया है उनके निधन से परिवार के सदस्य शोकाकुल है। गांव, क्षेत्र एवं रिश्तेदारों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक संतप्त परिजनों में पंडित मुरारी पांडेय, रमेश चंद्र पांडेय, चंद्र प्रकाश पांडेय, चंद्र प्रकाश पांडेय, रवि शंकर पांडेय, ओम प्रकाश पांडेय, विनय कुमार पांडेय, मनोज कुमार पांडेय, दिनेश कुमार पांडेय आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## प्रयागराज में सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल बनने की राह आसान, टेंडर 3 फरवरी को, निर्माण के 6 माह बाद शुरू होगा आपरेशन

**प्रयागराज।** शहर में सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल का निर्माण और संचालन करने वाली फर्म के चयन को लेकर टेंडर तीन फरवरी को निकाला जाएगा। टेंडर प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी की जाएगी। सब कुछ सही रहेगा तो मार्च से अप्रैल के बीच नैनी में हास्पिटल बनाने का काम शुरू हो जाएगा। निगम की ओर से दावा किया जा रहा है कि सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल के भवन का निर्माण और संचालन के लिए चंदन हास्पिटल व मेदांता ग्रुप सहित दिल्ली, मुंबई के हास्पिटल समूह टेंडर में शामिल होंगे। पांच हास्पिटल संचालन करने वाले प्रतिनिधियों की ओर से नैनी स्थित हास्पिटल बनाने वाले स्थल का निरीक्षण किया जा चुका है। नगर निगम के मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान ने बताया कि हास्पिटल का निर्माण पूरा करने में ढाई वर्ष का समय लगेगा। निर्माण पूरा होने के छह माह बाद हास्पिटल में आपरेशन की सुविधा भी लोगों को मिलने लगेगी। नगर निगम की ओर से साढे तीन हेक्टेयर में चार मंजिल का हास्पिटल बनवाया जाएगा, यहां मरीजों की सुविधा के लिए एमआरआइ, कार्डियोलाजी, नेफ्रोलाजी, न्यूरोलाजी, गैस्ट्रोलाजी समेत अन्य यूनिटें स्थापित की जाएंगी।

## विकसित भारत की ओर मजबूत कदम : सहसों में विकसित भारत जी राम जी चौपाल का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

**सहसों।** डिजायर यार्ड अतिथि गृह सहसों के प्रांगण में सोमवार को विकसित भारत जी राम जी चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फूलपुर, बहादुरपुर एवं सहसों विकासखंड की महिला श्रमिकों को जी राम जी योजना के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों को 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा तथा 15 दिनों के भीतर गारंटी के साथ मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित होगा। समयबद्ध भुगतान से श्रमिकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और कार्य के प्रति उनकी रुचि भी बढ़ेगी।

सांसद ने आगे कहा कि जी राम जी योजना में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से गांवों के विकास का नया प्रारूप सामने आ रहा है। गांव, गरीब, किसान और श्रमिकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह पहल विकसित भारत के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

कार्यक्रम का संचालन शिवनारायण सिंह गप्पू ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संदीप द्विवेदी, भूपेंद्र मिश्र, पिंटू दुबे, बृजेंद्र मिश्रा, रानी मोदनवाल, अंजू मौर्य, ललिता पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

## तहसील परिसर का भर भरा कर गिरा बार्जा, सोलर लाइट लटकी पड़ी

### अवकाश होने से बहुत बड़ा हादसा टला

अखंड भारत संदेश

**बारा।** बारा तहसील के भवन का बार्जा मंगलवार को अचानक गिर गया।बार्जा गिरने से ईंटों के चपेट में आने से सोलर लाइट भी लटक गई है। अवकाश होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है।

बारा तहसील भवन 1980 में बन कर तैयार हुआ था। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह ने उद्घाटन कर भवन को तहसील प्रशासन को सौंपा था। स्थानीय लोगों के अनुसार 45 वर्ष बीत गए किन्तु भवन का मरम्मत नहीं कराया जा सका है। इसके कारण अधिकांश भाग जर्जर हो चुके हैं। इसके साथ ही बनाया गया एसडीएम, तहसीलदार और कर्मचारियों का आवास खंडहर में तब्दील हो गया है। तहसील परिसर में ही स्थित लेखपालों के आवास भी जर्जर हो चुके हैं। इसके बावजूद जान जोखिम में डालकर कुछ लेखपाल, कर्मचारी और एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम उसमें रुकते हैं। सोमवार को अवकाश था और दोपहर में तहसील के भवन का बार्जा अपने आप गिर गया। आसपास मौजूद लोग भी परेशान हो गए हैं। लोगों का कहना है कि यदि अवकाश न होता तो कोई भी अनहोनी हो सकती थी।इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि बार्जा अवकाश में गिरा है।इस संबंध में एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम ने कहा कि जानकारी नहीं है।बात कर जानकारी ले रही हूं और उच्चाधिकारियों को अवगत करा कर मरम्मत कराया जाएगा।

## अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण विकास कार्य अवरूद्ध

**मांडा।** विकास खंड मांडा में अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में ड्यूटी के चलते खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) और सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) पंचायत सहित कई प्रमुख कर्मचारी अनुपस्थित हैं। इससे मांडा विकास खंड की 69 ग्राम पंचायतों का काम अवरुद्ध हो गया है।

अधिकारियों की गैर-मौजूदगी का बहाना बनाकर कई सचिव और अन्य ब्लॉक कर्मचारी भी कार्यालय से नदारद रहते हैं। दूर-दराज के गांवों से अपनी समस्याओं को लेकर विकास खंड कार्यालय आने वाले फरियादियों को बिना काम हुए ही वापस लौटना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या केवल विकास खंड कार्यालय तक सीमित नहीं है। मांडा के पशु चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी भी अक्सर माघ मेला ड्यूटी पर रहते हैं। इसी प्रकार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांडा के कई कर्मचारी भी मेले में तैनात हैं। बीआरसी कार्यालय में भी अक्सर ताला लगा रहता है, और थाने के अधिकांश पुलिसकर्मी भी प्रयागराज माघ मेला ड्यूटी में व्यस्त हैं।

कर्मचारियों और अधिकारियों की इस कमी के कारण दूर-दराज से आने वाले फरियादियों और पीड़ितों को निराश होकर लौटना पड़ता है। क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांडा के विभिन्न कार्यालयों की स्थिति पर ध्यान देने की मांग की है। उनका आरोप है कि कई कर्मचारी बिना वास्तविक मेला ड्यूटी के भी इसे बहाना बनाकर कार्यालयों से अनुपस्थित रहते हैं।

## हर-हर महादेव से गूंजा चनेथू, कुंदौरा में चढ़ाया निशान

**जंघई।** श्री हरिहर धाम कुंदौरा महादेव प्राचीन मंदिर में गांव एवं क्षेत्र के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है प्रतिदिन पूजन, अर्चन हेतु श्रद्धालु मंदिर आते हैं। क्षेत्र के लोग कुंदौरा महादेव मंदिर पर मन्नत मांगते है जो कि महादेव की कृपा से पूर्ण भी होती है। सोमवार को चनेथू शुक्लान गांव निवासी पंडित नारायण दास शुक्ल के परिजन भी मनोकामना पूर्ण होने पर डीजे के संग नाचते गाते एवं गांव वालों के साथ सपरिवार कुंदौरा महादेव मंदिर पहुंचे एवं निशान चढ़ाया। इस अवसर पर भरत ओझा, शारदा शुक्ल, प्रदुम शुक्ल, राजा शुक्ल, वेद शुक्ल, करण मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

## हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- परीक्षा में बैठने का अधिकार जीवन के अधिकार में शामिल

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि परीक्षा में बैठने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 में दिए गए मानवीय गरिमा के साथ जीने के मूल अधिकार के समान है। कोर्ट ने कहा, किसी विद्यार्थी का भविष्य संस्था की ह्यतकनीकी खामियोंह्ण या प्रशासनिक सुस्ती के कारण खतरे में नहीं डाला जा सकता। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति विवेक सरन की एकलपीठ ने बीएससी की छात्रा श्रेया पांडेय के लिए विशेष परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया है। याची छात्रा को प्रवेश पत्र नहीं दिया गया, क्योंकि विश्वविद्यालय पोर्टल उसके प्रवेश संबंधी प्रविष्टि को अपडेट नहीं कर पाया था।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय प्रयागराज से संबंद्ध उर्मिला देवी पीजी कालेज, हंडिया में बीएससी (बायोलॉजी) प्रथम वर्ष की छात्रा श्रेया पांडेय ने याचिका दायर की है। उसने 16 जुलाई, 2025 को फीस जमा कर दी थी और शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए कक्षाओं में उपस्थित रहीं। हालांकि, जब परीक्षा कार्यक्रम प्रकाशित हुआ तो प्रवेश पत्र जारी नहीं मिला।

उसके रिकॉर्ड विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर तय तारीख तक अपडेट नहीं थे। हालांकि आवेदन पोर्टल पर ड्राफ्ट स्वरूप में था। इस गलती के संबंध कालेज ने विश्वविद्यालय को प्रत्यावेदन दिया, जिसमें कहा गया कि याची सहित लगभग 30 छात्रों का रिकॉर्ड अपडेट नहीं हैं। इस पर 25 छात्रों का रिकॉर्ड अपडेट हो गया, लेकिन याची का रिकॉर्ड दोबारा अपडेट नहीं हुआ।

ऐसे में याची को परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं मिला, क्योंकि विश्वविद्यालय उसे प्रवेश पत्र जारी नहीं कर सका था। कोर्ट ने विश्वविद्यालय के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई, क्योंकि अधिकारियों को रिकॉर्ड अपडेट न होने की पूरी जानकारी थी और डेटा ड्राफ्ट के रूप में मौजूद था। इसके बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

विश्वविद्यालय के वकील कोर्ट को यह बताने में विफल रहे कि जब ऐसी तकनीकी त्रुटियां उनके संज्ञान में आती हैं तो वे किस मानक प्रक्रिया का पालन करते हैं। कोर्ट ने राहुल पांडे बनाम यूनियन आफ इंडिया मामले में अपने हालिया आदेश पर भरोसा किया, जिसमें यह माना गया कि ह्यसंबंधित परीक्षा में शामिल होना भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत एक मौलिक अधिकार है।ह्ण कोर्ट ने अंतरिम निर्देश जारी करते हुए कहा है कि विश्वविद्यालय आदेश के दो सप्ताह के भीतर शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए याची की बीएससी (बायोलॉजी) पहले सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित करे और परिणाम उचित समय के भीतर प्रकाशित कराए ताकि याची आगे की पढ़ाई जारी रख सके।

कोर्ट ने कहा, ह्ययाची के रिकॉर्ड को उचित समय के भीतर अपडेट करने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाएं ताकि उसका 'भविष्य' सुरक्षित हो सके।ह्ण विश्वविद्यालय के वकील को याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। मामले में अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी।

## मौनी अमावस्या के बाद अरैल घाट सेक्टर-7 में तेज हुआ स्वच्छता अभियान

### बसंत पंचमी की तैयारियां तेज

अखंड भारत संदेश

अरैल घाट सेक्टर-7 में स्नान घाटों और मार्गों पर सफाई एवं सेनेटाइजेशन करते हुए

**प्रयागराज।** माघ मेला के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या के शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद मेला प्रशासन अब आगामी मुख्य पर्व बसंत पंचमी की तैयारियों में पूरी तरह जुट गया है। श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से माघ मेला क्षेत्र अंतर्गत अरैल घाट सेक्टरझ्र7 में व्यापक स्वच्छता एवं सेनेटाइजेशन अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है।

अरैल क्षेत्र में बने आधा दर्जन से अधिक स्नान घाटों, शिविर स्थलों, संपर्क मार्गों और कल्पवासियों के आवासीय क्षेत्रों में प्रतिदिन नियमित साफ-सफाई कराई जा रही है। घाटों पर जमी गंदगी हटाने के साथ-साथ कूड़ा निस्तारण, चूना छिड़काव और सेनेटाइजेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। मौनी अमावस्या के दौरान विशेष अभियान के बाद अब व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है, ताकि बसंत पंचमी पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सेक्टर-7 में स्वच्छता व्यवस्था की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में निभाई जा रही है। उन्होंने बताया कि मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या जैसे बड़े स्नान पर्वों के बाद भी सफाई कार्य लगातार जारी है, जिससे किसी प्रकार की संक्रामक बीमारी की आशंका न रहे। उन्होंने बताया कि सफाईकर्मियों की कई टीमें 24 घंटे तैनात कर निगरानी रखी जा रही है। विशेष रूप से स्नान घाटों, आवागमन मार्गों और ठहराव स्थलों पर अतिरिक्त ध्यान दिया जा रहा है। सेक्टर-7 में की जा रही इस व्यापक स्वच्छता व्यवस्था की स्थानीय श्रद्धालुओं और कल्पवासियों ने सराहना की है।

इस दौरान शिविर में डॉ. आशू पाण्डेय (संयुक्त निदेशक, प्रयागराज), डॉ. आनंद कुमार सिंह (सेनेटाइजेशन प्रभारी), डॉ. दिनेश (एसएमओ, सेक्टर-7 अरैल) सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

## दलित की बाउंड्री गिरा कर मारा पीटा गया, एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

**मऊआइमा।** थाना क्षेत्र के ग्राम धनपारी का पूरा गदियानी निवासनीय सीता देवी पत्नी स्वर्गीय जगदीश कुमार का कहना है कि वह अपने घर की बाउंड्री वॉल का निर्माण करा रही थी। आरोप है तभी विपक्षी एक राय होकर घर पर चढ आए और उसकी बाउंड्री गिरा कर जाति सूचक गालियां देते हुए उसे गिरा कर मारे पीटे जान से मारने की धमकी दिए।सीता देवी ने मऊआइमा थाने में विजय बहादुर पटेल, सुरेश पटेल, रमेश पटेल, सुनील पटेल, संदीप पटेल के खिलाफ एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दी है।

# मेलाधिकारी बोले- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य का प्रोटोकॉल देने का कोई प्रावधान नहीं

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** शंकराचार्य के आरोपों का जवाब देने के लिए अफसरों ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के तहत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य का प्रोटोकॉल देने का कोई प्रावधान नहीं है। इससे पहले भी उन्हें माघ मेले में कभी शंकराचार्य के रूप में सुविधा नहीं दी गई। मेला प्राधिकरण कार्यालय के सभागार में मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार, डीएम मनीष कुमार वर्मा और मेलाधिकारी ऋषिराज ने शंकराचार्य के सभी आरोपों के क्रमवार जवाब दिए। मंडलायुक्त ने सौम्या अग्रवाल ने कहा कि संगम तट पर भीड़ अधिक थी, इसलिए उन्हें रोका गया। बार-बार आग्रह किया गया कि रथ से उतरकर स्नान करने जाएं पर वह नहीं माने।अगर वह घाट पर जाते तो अफरातफरी मच सकती थी, इसलिए नहीं जाने दिया गया। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि 14 अक्तूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था, हम उसी का पालन कर रहे हैं। अगर कोई सुविधा देते तो कोर्ट के आदेश की अवहेलना होती। मेलाधिकारी ऋषिराज ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को कभी भी शंकराचार्य का प्रोटोकॉल नहीं दिया गया है और न ही शंकराचार्य के नाते उन्हें मेले में शिविर आवंटित किया गया।

मेलाधिकारी ने कहा कि तीन घंटे तक उन्होंने श्रद्धालुओं का रास्ता रोके रखा। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने कहा कि तीन घंटे तक दबाव बनाते रहे कि हम पैदल नहीं जाएंगे। इसी वजह से जद्दोजहद की स्थिति पैदा हुई। अफरातफरी न हो, इस वजह से कुछ लोगों को पुलिस ने अलग किया। धक्कामुक्की करने वाले कुछ लोगों को भीड़ से अलग किया। धक्कामुक्की में कुछ लोगों को चोट आ सकती हैं पर पुलिस ने नहीं पीटा। सीसीटीवी फुटेज हमारे पास मौजूद हैं। करोड़ों लोगों की जान जोखिम में डालकर हम किसी को वीआईपी स्नान नहीं करा सकते हैं।

### जब बीच प्रेसवार्ता से उठकर जाने पर हुआ हंगामा

मेला कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान ही अधिकारी मीडिया के सवालों के बीच उठकर जाने लगे। इस पर मीडियाकर्मियों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होते देख कुछ देर बाद अधिकारी फिर लौटे और पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। अधिकारी तीखे सवालों से बचते नजर आए और जांच कराने की बात कहकर पल्ला झाड़ते रहे।

### जूनियर एडेड भर्ती 2021 की कटआफ सूची में शामिल प्रधानाध्यापक पद के अभ्यर्थी मुख्यमंत्री से मिले, लगाई गुहार

**प्रयागराज।** वित्तविहीन जूनियर एड-ेड विद्यालयों में दी गई सेवाओं का अनुमोदन नहीं होने के कारण अनुभव प्रमाणपत्र निर्गत नहीं होने से परेशान जूनियर एडेड भर्ती-2021 की कटआफ सूची में शामिल प्रधानाध्यापक पद के अभ्यर्थी सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री से मिले। उन्हें बताया कि पिछले 14-15 साल से वित्तविहीन विद्यालयों द्वारा अनुमोदन नहीं लिए जाने से उन्हें बीएसए द्वारा अनुभव प्रमाणपत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। इससे चयन में उनके सामने समस्या आ सकती है। मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थी ज्ञानवेंद्र सिंह व अन्य को आश्वसत किया है कि वह मामले की जांच कराएंगे। काउंसलिंग के समय अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अभिलेखों की सूची बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने जारी की थी। इसमें अनुमोदन की प्रति भी आवश्यक थी, जिसके आधार पर बीएसए को अनुभव प्रमाणपत्र निर्गत करना था। अभ्यर्थी ज्ञानवेंद्र सिंह ने बताया विद्यालयों ने अनुमोदन नहीं कराया तो इसमें अभ्यर्थियों की कोई गलती नहीं है। इस पर शासन एवं विभाग को ध्यान देना था, लेकिन नहीं दिया गया। ऐसे में अनुमोदन के अभाव में अधिकांश अभ्यर्थियों को अनुभव प्रमाणपत्र संबंधित जिलों के बीएसए ने निर्गत नहीं किए।

# प्रयागराज जंक्शन पर अब दोनों ओर से करें प्रवेश, हटाए गए सभी प्रतिबंध

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** मौनी अमावस्या का स्नान पर्व संपन्न होने के बाद रेलवे प्रशासन ने शहर के स्टेशनों पर लगाई गई तमाम प्रतिबंधों को अगले आदेश तक के लिए समाप्त कर दिया है। इसे तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दिया गया है। इस निर्णय के बाद प्रयागराज जंक्शन के दोनों ओर से यात्रियों का आवागमन अब शुरू हो गया है।मौनी अमावस्या स्नान पर्व के एक दिन पूर्व ही उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, नैनी जंक्शन आदि स्टेशनों पर तमाम पाबंदियां लगा दी गई थी। इन स्टेशनों पर एकल दिशा प्रवेश लागू कर दिए जाने की वजह से एक ओर से प्रवेश एवं दूसरे ओर से निकासी की व्यवस्था 17 जनवरी से ही प्रभावी हो गई थी। 20 जनवरी तक यह प्रतिबंध लागू रहने थे। इस वजह से यात्रियों को काफी दिक्कत हो रही थी।प्रयागराज जंक्शन की बात करें तो यहां सिटी साइड से प्रवेश तो सिविल लाइंस साइड से निकासी दी जा रही थी। ऐसे में यात्रियों को लंबा चक्कर काटना पड़ रहा था। फिलहाल अब सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। इस बारे में प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि स्टेशनों पर यात्रियों की अब सामान्य आवाजाही है। इसी वजह से अब तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध हटा दिए हैं। कहा कि अगर भीड़ बढ़ती है तो आवश्यक प्रतिबंध दोबारा लागू किए जा सकते हैं।

# भूतपूर्व सैनिकों व स्वतंत्रता सेनानी आश्रित ने मांगा शिक्षक भर्ती में आरक्षण

**प्रयागराज।** जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती-2021 में क्षैतिज आरक्षण नहीं दिए जाने से भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों का आरक्षण शून्य हो गया है। इस भर्ती के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया चल रही है, लेकिन क्षैतिज आरक्षण के मानकों का पालन नहीं किए जाने पर लाभ से वंचित हुए अभ्यर्थियों ने सोमवार को शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और मांग की कि क्षैतिज आरक्षण देकर उन्हें भी लाभ दिया जाए।

निदेशालय में प्रदर्शन करने पहुंचे राहुल पासवान, पूर्व सैनिक विजय शंकर पाण्डेय, पूर्व सैनिक कृष्णा राजभर, सुनीता यादव, प्रियंका पुरवर, उपेंद्र सिंह, पूर्णिमा चौरसिया, शिवकुमार आदि ने आरोप लगाया कि इस भर्ती में आरक्षण नियमों की अवहेलना की गई है। इस भर्ती में सहायक अध्यापक के कुल 1262 पद दिए जा रहे हैं। इसमें ऊध्वार्कार (वर्टिकल) आरक्षण में अनारक्षित के 1051 पद, 115 ओबीसी, एससी के 96 पद सृजित हैं, जबकि एसटी व ईडब्यूएस के पद शून्य हो गए हैं। इसके अलावा क्षैतिज (होरिजेंटल) आरक्षण के मानक का पालन नहीं किए जाने से भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित तथा दिव्यांग के पद शून्य हो गए हैं। इसके विपरीत वर्तमान आरक्षण नियमों के अनुसार क्षैतिज आरक्षण में भूतपूर्व सैनिक के पांच प्रतिशत आरक्षण के अनुपात में भूतपूर्व सैनिक के 63 पद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों के दो प्रतिशत आरक्षण के अनुपात में 25 पद तथा दिव्यांग के चार प्रतिशत आरक्षण के अनुपात में 50 पद होने चाहिए।

अभ्यर्थियों ने आरक्षण में नियमानुसार निर्धारित होने वाले पदों के विवरण के साथ पंचायती राज तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर को भी पत्र भेजकर अनुमन्य आरक्षण दिलाए जाने की मांग की है। मामले पर जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती संघ के प्रदेश अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय ने कहा है कि आरक्षण निर्धारण में नियमों की अनदेखी कर अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया है। उन्होंने आरक्षण का निर्धारण नए सिरे से कर न्याय दिलाए जाने की मांग की है।

# अरैल में भारतीय किसान कल्याण संघ द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन हुआ

**नैनी।** नैनी माघ मेला के पावन अवसर पर मौनी अमावस्या भारतीय किसान कल्याण संघ द्वारा माघ मेला क्षेत्र के अरैल सेक्टर-7 स्थित शिविर में खिचड़ी प्रसाद का भव्य वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व न्यायाधीश कैप्टन डी.पी.एन. सिंह ने किया। इस अवसर पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवनेश उपाध्याय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर एस.बी. सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पांडे, पंचकोशी प्रयाग संत सेवा समिति के महंत जन्मेजय प्रसाद शुक्ला, प्रबंधक अभिषेक शुक्ला सहित सैकड़ों सहयोगी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक एवं भारतीय किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया तथा मां गंगा से सभी के सुख, शांति एवं कल्याण की कामना की।

### रेलवे विजिलेंस जांच में अब नहीं चलेगी लापरवाही, GM की 5 बिंदुओं की अनिवार्य रिपोर्ट तय करेगी कितनी मिलेगी सजा

**प्रयागराज।** किसी रेल कर्मचारी या अधिकारी के विरुद्ध विजिलेंस जांच शुरू हुई तो 'क्लीन चिट' या 'दोषारोपण' की स्पेशल पांच रिपोर्ट अनिवार्य कर दी गई है, ताकि दोषी को सजा दिलाई जा सके। बोर्ड ने एनसीआर समेत सभी जोन को पत्र भेज कर कहा है कि जीएम को किसी भी केस को बोर्ड को भेजने से पहले पांच मुख्य बिंदुओं पर स्पष्ट सिफारिश देनी होगी। इसमें संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की कितनी और कैसी जिम्मेदारी है ? दोषी को बड़ी सजा मिलनी चाहिए, छोटी सजा या केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त है। क्या मामले में भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग की मंशा थी? विजिलेंस एंगल की मौजूदगी पर स्पष्ट राय देना अनिवार्य है। यदि मामला गंभीर है, तो क्या इसे सीबीआइ जैसी बाहरी एजेंसी को सौंपने की आवश्यकता है? इसके लिए ठोस तर्क देने होंगे। यदि किसी निजी ठेकेदार या कंपनी की भूमिका संदिग्ध है, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट या डी-लिस्ट करने का प्रस्ताव भी रिपोर्ट का हिस्सा होना चाहिए। इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी एसडीजीएम की होगी, वह पूर्ण फाइल ही जीएम को सौंपेंगे।

# TRRAIN ट्रस्ट के पंख प्रोजेक्ट की सराहना, दिव्यांग युवाओं के रोजगार पर हुई सार्थक चर्चा

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित एकदिवसीय दिव्य कौशल प्रदर्शनी में TRRAIN ट्रस्ट के पंख प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक स्टॉल स्थापित किया गया। TRRAIN ट्रस्ट की ओर से प्रयागराज से विपिन कुमार कुशवाहा ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया तथा दिव्यांग युवाओं के लिए उपलब्ध कौशल प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर एवं रिटेल सेक्टर में समावेशन से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की।इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय मंत्री, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार,नरेंद्र कश्यप ने TRRAIN ट्रस्ट के स्टॉल का अवलोकन किया। मंत्री जी एवं TRRAIN ट्रस्ट प्रयागराज के प्रतिनिधि विपिन कुमार कुशवाहा के मध्य दिव्यांग युवाओं के रोजगार के अवसर, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता को लेकर सार्थक चर्चा हुई, जिसे मंत्री महोदय ने सराहनीय बताया। उन्होंने पंख प्रोजेक्ट को दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी पहल बताया।

मोबिलाइजेशन शिविर के माध्यम से दिव्यांग प्रतिभागियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार से जोड़ने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रयागराज मंडल के उपनिदेशक अभय श्रीवास्तव जी सहित प्रयागराज, फतेहपुर, कौशांबी एवं प्रतापगढ़ के जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# 21 जनवरी को प्रयागराज में भागीदारी पार्टी भरेगी हुंकार : डॉ महेश चंद्रा प्रजापति

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** सोमवार को प्रयागराज सर्किट हाउस में भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव डॉ.महेश चंद्रा प्रजापति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बताया कि 21 जनवरी को भागीदारी पार्टी के नेतृत्व में देव स्पोर्ट्स क्रिकेट ग्राउंड,गोहरी रोड शांतिपुरम फाफामऊ,प्रयागराज में सामाजिक न्याय संघर्ष महारैली की हुंकार भरने जा रही है। जिसमें भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति की अध्यक्षता में विशाल महारैली को बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर संबोधित करेंगे। प्रजापति ने कहा कि भागीदारी पार्टी निरंतर उत्तर प्रदेश के 100 विधानसभा सीटों पर निरंतर हर हर महीने बड़ी रैली कर रही है। जिसमें खास तौर से बुंदेलखंड और पूर्वांचल शामिल है। इन रैलियों के माध्यम से पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की तैयारी जोर-शोर से हो रही है। इस बार 2026 के साथ-साथ 2027 में भागीदारी पार्टी उत्तर प्रदेश में बड़ा उलट फेर करने जा रही है। प्रजापति ने कहा बिना भागीदारी पार्टी के समर्थन से किसी की सरकार नहीं बनेगी। पूर्वांचल और बुंदेलखंड की 100 सीटों पर भागीदारी पार्टी निरंतर बूथ स्तर पर काम कर रही है और संगठन को इतना मजबूत कर दिया गया है कि खास तौर से प्रजापति समाज की बात कर लिया जाए जिनकी आबादी पूर्वांचल में लगभग 18% है लेकिन सभी दलों ने इस समाज को ठगने का काम किया। इस समाज की आबादी धरातल पर किसी दलों ने सही तरीके से बताने का काम नहीं किया किंतु जब यही बुंदेलखंड में चले जाते हैं तो प्रजापति समाज की आबादी बढ़कर 22% हो जाती है। प्रेमचंद प्रजापति के नेतृत्व में इस समाज को इतनी ताकत दे दी गई है कि अब यह समाज किसी अन्य दलों के साथ जाने को तैयार नहीं है। अब यह उपेक्षित समाज मन बना लिया है कि अपना डंडा, अपना झंडा, अपना नेता, अपनी शान और अपनी पहचान होगी। श्री अखिलेश यादव के ब्राह्मण कार्ड पर सवाल करने पर प्रजापति ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव तो ढऊआ की बात करते हैं जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक तो दिखावा है असली मामला तो परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है तो इसमें ब्राह्मण कहां से आ गए अखिलेश जी एक ऐसे बुद्धिजीवी वर्ग को बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं जो इनके बहकावे में नहीं आ सकता। इस वर्ग को कोई बरगला नहीं सकता यह वर्ग उन्हीं के साथ जाता है जिनकी सरकार बनती दिखती है।भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए प्रजापति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 133 हत्या अकेले इस सरकार में प्रजापति में हुई है। ओम प्रकाश राजभर और प्रेम चंद्र प्रजापति एक ऐसे कद्दावर नेता है जो उत्पीड़न,पिछड़े,दलित की सरकारी नौकरियों में आरक्षण के सवाल को लेकर निरंतर आवाज उठाने का काम करते हैं। बाकी भाजपा के जितने भी पिछड़े,दलित नेता हैं। वह वोट की अपेक्षा तो करते हैं लेकिन सरकारी नौकरियों में आरक्षण, हिस्सेदारी, उत्पीड़न के सवाल को लेकर कभी बोलने का काम नहीं करते। अब भाजपा धीरे-धीरे बूढ़ी हो रही है और भागीदारी पार्टी जवान हो रही है इस समय पूर्वांचल और बुंदेलखंड में अति पिछड़े अति दलित समाज के वोटरों की निगाहें भागीदारी पार्टी पर टिकी हुई है। जो उनकी भागीदारी के सवाल को लेकर निरंतर उनकी आवाज को बुलंद करने का काम करती है। प्रजापति ने कहा इस बार सरकार भागीदारी पार्टी के समर्थन से ही बन सकती है अगर हम जीतेंगे नहीं तो जितने भी नहीं देंगे। हम तो डूबेंगे सनम लेकिन तुम्हें भी ले डूबेंगे। पूर्वांचल और बुंदेलखंड में सबसे ज्यादा नुकसान भागीदारी पार्टी से सपा, बसपा और भाजपा को होगा। भागीदारी पार्टी जिसके साथ होगी उसको इस समाज का वोट बड़ी संख्या में ट्रांसफर होगा नहीं तो समीकरण बिगड़ना तय है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह प्रजापति राष्ट्रीय महासचिव कीर्ति प्रकाश द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार प्रजापति, जिलाध्यक्ष गंगा पार सुरेंद्र मोहन प्रजापति, राजीव प्रजापति, रामचंद्र प्रजापति श्रीकांत प्रजापति, मुलायम सिंह प्रजापति, संजय प्रजापति, मंजू प्रजापति, वंदना प्रजापति, आत्माराम प्रजापति, संजय प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

# योगी सरकार ने साढ़े आठ साल में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाया : मंत्री नरेन्द्र कश्यप

## दिव्य कला एवंकौशल प्रदर्शनी का शुभारंभ, दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बीते साढ़े आठ वर्षों से प्रदेश के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने यह बात प्रतापगढ़ जनपद में दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य निधि के अंतर्गत आयोजित ह्यदिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनीह्व के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने श्रीराम वाटिका चिलबिला में दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा दिव्यांगजनों द्वारा अपने कौशल, परिश्रम और रचनात्मकता से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, स्टिल सहित अन्य सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के कौशल विकास और रोजगार सृजन के उद्देश्य से प्रदेश भर में दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे दिव्यांगजन अपने हुनर को मंच प्रदान कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु दो विशेष विश्वविद्यालय डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ और जगद्गुरु

रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें लगभग 6000 दिव्यांग विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।मंत्री कश्यप ने कहा कि योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश में बचपन डे-केयर सेंटर, समेकित विद्यालय, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट स्तर तक की शिक्षण संस्थाएं संचालित कर दिव्यांगजनों की बेसिक से लेकर उच्च शिक्षा तक की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11.5 लाख दिव्यांगजनों को 12,000 रुपए वार्षिक भरण-पोषण राशि प्रदान की जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पूर्व यह राशि मात्र 300 रूपए प्रति माह थी। योगी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1000 रुपए प्रति माह कर दिव्यांगजनों की दैनिक आवश्यकताओं को सरल बनाने का कार्य किया है। इस अवसर पर मंत्री द्वारा 210 ट्राई साइकिल, मोटराइज्ड ट्राई साइकिल 10, एम.आर.किट. 103, कान मशीन 12, बैसाखी 20, स्मार्ट केन 39 एवं 4 व्हील चेयर का वितरण लाभार्थियों को किया गया।कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए। उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग प्रयागराज मंडल प्रयागराज अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिव्यांग अधिकार अधिनियम एवं विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिलामंत्री रामजी मिश्रा सहित नारायण यादव, अमित कुशवाहा, अनिरुद्ध नारायण तिवारी हर्ष सिंह, राकेश कुमार सरोज, संजय शर्मा एवं बड़ी संख्या में दिव्यांगजन सामाजिक कार्यकर्ता स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र ओझा ने किया।

## नेशनल हाइवे पर जाम को लेकर पुलिस ने कसा शिकंजा, केस दर्ज

**प्रतापगढ़।** पुलिस द्वारा मारपीट की घटना में केस दर्ज होने पर ग्रामीणों द्वारा लालगंज कोतवाली गेट का घेराव करने को लेकर पुलिस ने शिकंजा कसा है। थाने के दरोगा ज्ञानचंद्र तिवारी की तहरीर पर करीब पन्द्रह बीस अज्ञात पुरूष व महिलाओं के खिलाफ सड़क जाम को लेकर केस दर्ज हुआ है। दरोगा ने तहरीर में कहा है कि वह सत्रह जनवरी को बाजार में फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। तभी सूचना मिली कि पन्द्रह से बीस पुरूष व महिलाएं कोतवाली गेट के सामने नेशनल हाइवे पर जाम लगाकर नारेबाजी कर रहे हैं। मौके पर पहुंची फोर्स ने नाराज ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया तो यह लोग गालीगलौज पर उतर आये। दरोगा की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। बतादें लालगंज थाने के दौलतपुर अमांवा में दो पक्षों में मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इससे नाराज ग्रामीणों ने कोतवाली गेट के सामने हंगामा खड़ा किया। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि सड़क बाधित करने को लेकर आरोपियो के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

## न्यूज झरोखा

### चार जिंदा देसी बम के साथ युवक गिरफ्तार

**पट्टी।** कोतवाली पुलिस ने सोमवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार जिंदा देसी बम के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली पट्टी में तैनात उपनिरीक्षक सचिन यादव अपने हमराह उपनिरीक्षक शुभम सिंह, कांस्टेबल अभिषेक कुमार, कांस्टेबल पंकज चैहान एवं महिला कांस्टेबल प्रिया मिश्रा के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कलियनापुर नहर पटरी के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में मौजूद है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और एक व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 04 अदद जिंदा देसी बम बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम दयाराम निषाद पुत्र लल्लन निषाद, उम्र करीब 34 वर्ष, निवासी ग्राम भौरियार, थाना चांदा, जनपद सुलतानपुर बताया।पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

### निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का प्रधान ने किया आयोजन, सैकड़ो ने कराया पंजीकरण

**कुंडा।** विकास क्षेत्र बिहार के तिवारी महमदपुर व धनवासा प्रधान प्रतिनिधि हर्षवर्धन सिंह ने अपने गाँव में एक अनूठी और जनहित की पहल की शुरूआत की है। उनकी अगुवाई में जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में सराहनीय पहल करते हुए आरंभ चैरिटेबल ट्रस्ट प्रयागराज द्वारा एक निःशुल्क विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंखों से संबंधित विभिन्न रोगों की जांच के साथ-साथ डॉ सौरभ मिश्र व उनकी टीम द्वारा परामर्श भी निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर पंजीकरण कराया। पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से मरीजों का नाम, आयु, लिंग, पता विवरण दर्ज किया गया। अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने आधुनिक उपकरणों से आंखों की जांच की और जरूरतमंद मरीजों को उचित सलाह दी।आयोजक हर्षवर्धन सिंह के अनुसार शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को नेत्र रोगों के प्रति जागरूक करना और समय रहते इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में मोतियाबिंद,नजर की कमजोरी सहित अन्य नेत्र रोगों की प्रारंभिक जांच की गई। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।दोनों ग्रामसभाओं को मिलाकर खबर लिखे जाने तक 600 के करीब नेत्र रोगियों का का रजिस्ट्रेशन कराकर उनका इलाज करवाया गया और मोतियाबिंद के 100 से अधिक रोगियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया।

### ज्ञानप्रकाश को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चयनित किये जाने पर जतायी गयी खुशी

**लालगंज।** भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में क्षेत्र के पत्रकार ज्ञानप्रकाश शुक्ल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा पत्रकार चंद्रशेखर तिवारी को मण्डल अध्यक्ष चयनित किये जाने पर यहां प्रसन्नता जतायी गयी है। महासंघ की घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में इस बार ज्ञानप्रकाश शुक्ल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। वह महासंघ के पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी भी हैं। इधर निवर्तमान जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी को प्रोन्नत कर प्रयागराज मण्डल में महासंघ के अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया है। सोमवार को जिले के पत्रकार ज्ञानप्रकाश शुक्ल को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष चयनित किये जाने की जानकारी मिलने पर स्थानीय पत्रकारों व प्रबुद्धजनों ने प्रसन्नता जतायी है। चयन के लिए महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक भगवान प्रसाद उपाध्याय व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र तथा राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया के प्रति महासंघ की लालगंज तहसील इकाई के पदाधिकारियों ने आभार भी जताया है।

### तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से तीन मासूम छात्राएं घायल

**पट्टी।** प्राथमिक विद्यालय में हैंडपंप खराब होने के कारण सड़क पार पानी पीने गईं तीन मासूम छात्राओं को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों छात्राएं सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।घटना आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के भदवझ गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास सोमवार दोपहर की है। विद्यालय में अध्ययनरत प्रियांशी (10 वर्ष) पुत्री लाल बहादुर, मनीषा (11 वर्ष) पुत्री दिनेश कुमार एवं चंदा (कक्षा 4) पुत्री बब्बन पांडे स्कूल के बाहर लगे हैंडपंप से पानी पीने के लिए गई थीं। तीनों छात्राएं ठेगुआ गांव की रहने वाली हैं।इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक चला रहे दुर्गेश कुमार वर्मा निवासी कोठियार ने अनियंत्रित होकर छात्राओं को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि बाइक चालक भी चोटिल हो गया।स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने छात्राओं की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।इस संबंध में डॉ. नीरज सिंह ने बताया कि तीनों छात्राओं की स्थिति नाजुक थी, इसलिए बेहतर उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

### नकदी समेत जेवरात चोरी को लेकर दर्ज हुआ केस

**लालगंज।** कोतवाली क्षेत्र में चोरी की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के डगरारा निवासी बाबूलाल तिवारी पुत्र रमाकांत ने दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सत्रह जनवरी की रात बदमाशों ने उसके घर में चोरी की घटना अंजाम दी। बदमाशों ने घर के अंदर बेड में रखे पांच हजार नकद व महिलाओं के सोने चांदी के आभूषण उड़ा लिये। वहीं पड़ोस के उमेशचंद्र तिवारी पुत्र रामअभिलाष त्रिपाठी के घर भी कपड़े व जेवरात के साथ बदमाशों ने पचीस हजार की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा।

# साड़ी के फंदे से झूलकर विवाहिता ने दी जान

अखंड भारत संदेश

**कुंडा।** बाघराय के साहू का चरही गांव निवासिनी आरती पटेल (33) पत्नी भोला ने भोर मे घर के पीछे बने छप्पर के बांस मे साडी का फंदा गले मे लगाकर झूल गयी। जिससे आरती पटेल की मौत हो गयी। सुबह सात बजे जब परिजन देखे तो अवाक रह गये। परजिनों ने घटना की सूचना थानाध्यक्ष बाघराय को दी।मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष श्रवणकुमार ने दो बजे दिन मे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर मृतका के भाई नागेन्द्र पटेल का आरोप है कि बहन आरती की हत्या कर शव को फांसी का रूप दिया गया है। विवाहिता की मौत से ससुरालीजन परेशान है। मौके पर नायब तहसीलदार सालिकराम अग्रहरि भी पहुचकर मामले की जांच की।थानाध्यक्ष ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

## किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने को लेकर गंभीर धाराओं में केस

**लालगंज।** किशोरी को बहला फुसलाकर भगाए जाने को लेकर लालगंज पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव के पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सत्रह जनवरी को दिन में तीन बजे उसकी सोलह वर्षीर्या पुत्री साइकिल से लालगंज बाजार में कपड़ा खरीदने निकली। देर रात तक उसकी नाबालिग बेटी घर वापस नही आयी। खोजबीन करने पर अठारह जनवरी को दिन में उसकी बेटी लालगंज कोतवाली के खालसा चैराहे पर गांव के आरोपी नीरज सरोज पुत्र राजू के साथ दिखी। तहरीर में कहा गया है कि आरोपी ने नाबालिग लड़की के साथ जबरिया रात गुजारी और परिजनों को धमकाया कि वह अब नाबालिग के साथ ही रहेगा। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी नीरज के साथी अजय वर्मा पुत्र श्रीपाल निवासी पूरे पहलवान पूरे वंशी किशोरी को भगाने में साजिशकर्ता है। तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि केस दर्ज हुआ है, आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

# घर के ऊपर से गुजरी विद्युत लाइन हटाने की मांग पर धरना

## मौके पर पहुंचे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य

अखंड भारत संदेश

**पट्टी।** आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के अमरगढ़ बाजार में घर की छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीण धरने पर बैठ गए। धरने की सूचना पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सत्येंद्र कुमार बारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ धरने में शामिल हुए।बताया जा रहा है कि बीते 7 जनवरी की शाम करीब 4 बजे अमरगढ़ बाजार निवासी देवी प्रसाद तिवारी उर्फ बबलू का 14 वर्षीय पुत्र कृष्णा घर की छत पर खेल रहा था। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगते ही किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए अपोलो अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार जारी है।घटना के बाद से ही ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। सोमवार को पीड़ित परिवार और ग्रामीण हाईटेंशन लाइन हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के अधिकारी, एसडीओ क्षेत्र तथा पुलिस बल मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण धरना समाप्त करने को तैयार नहीं हुए।ग्रामीणों का कहना है कि जब तक घरों की छतों के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज विद्युत लाइन को हटाया नहीं जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। उनका आरोप है कि पहले भी इस खतरे को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।मौके पर पहुंचे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सत्येंद्र कुमार बारी ने ग्रामीणों की बात सुनी और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

# यूपीएमएसआरए का सम्पन्न हुआ वार्षिक अधिवेशन

## पांचवी बार विकल पांडेय बने अध्यक्ष व वीरपाल निर्विरोध बने सचिव

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन शहर स्थित एमडीपीजी कॉलेज में रविवार को सम्पन्न हुआ। वार्षिक अधिवेशन की प्रक्रिया स्टेट सेंटर से आये हुए ऑब्जर्वर्स कॉमरेड अरुण सिंह, कॉमरेड आनंद शर्मा, कॉमरेड आशुतोष त्रिपाठी की देख रेख में सम्पन्न हुआ। वार्षिक अधिवेशन में देर शाम घोषित परिणाम में लगातार पांचवीं बार विकल पाण्डेय अध्यक्ष पद पर विजय श्री हासिल कर इतिहास रचा।वही सचिव पद पर वीरपाल सिंह को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इसी क्रम में कोषाध्यक्ष पद पर शिवेश सिंह,उपाध्यक्ष पद पर राजकुमार तिवारी व विनय ओझा, सहसचिव में विजय कान्त मिश्र व

आशीष पाण्डेय एवं सदस्य पद पर पंकज श्रीवास्तव, राहुल मिश्र, राकेश शर्मा, अनिल पटेल, दशरथ यादव राजू यादव, रोहित मिश्र, अंकित तिवारी, अजय निर्वाचित हुए। पांचवीं बार अध्यक्ष पद पर विजय श्री हासिल करने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकल पाण्डेय ने कहा कि संगठन व साथियों के हित में सदैव काम किया है और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के साथियों के मान-सम्मान में कभी न कोई कमी आई है और ना भविष्य में आने दूंगा। उन्होंने सभी के द्वारा दिये गये बहुमूल्य समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया।

## नवनिर्वाचित अध्यक्ष पहुंचे संघ कार्यालय माला पहनाकर हुआ भव्य स्वागत

**प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन के सम्पन्न हुए वार्षिक अधिवेशन में घोषित परिणाम में विकल पाण्डेय के पांचवीं बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर देर शाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पहुंचे जहां पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओमप्रकाश, जिला प्रचारक प्रवीण कृष्ण,नगर प्रचारक विवेकानंद व नगर सह कार्यवाह सुमित एवं अधिवक्ता वरुण प्रताप सिंह व अन्य सहयोगियों से मुलाकात कर स्नेह आशीर्वाद प्राप्त किया।विकल पाण्डेय की ऐतिहासिक जीत पर सभी ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सामूहिक रूप से पुष्प गुच्छ भेंट कर व माला पहनाकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर मिले स्नेह आशीर्वाद से गदगद श्री पाण्डेय ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

# चार दुकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र के करैला बाजार में चोरों ने एक ही रात में चार दुकानों का ताला तोड़कर नकदी समेत कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना से बाजार के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। पीड़ित दुकानदारों ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।जानकारी के अनुसार, करैला बाजार में स्थित सरकारी शराब की दुकान, जो कंधई थाना क्षेत्र के सारी जमवारी गांव निवासी हरि शंकर सिंह की बताई जा रही है, का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए। चोर दुकान से करीब 65 हजार रुपये नकद, पास मशीन एवं सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चोरी कर ले गए। सुबह जब दुकान खोली गई तो ताला टूटा देख घटना की जानकारी हुई। दुकान के सेल्समैन रमेश यादव ने इसकी सूचना दुकान मालिक को दी।इसके अलावा चोरों ने बाजार में स्थित लोकेश की किराना दुकान, चंदन की टेलर (सिलाई) की दुकान तथा फहद की किराना दुकान का भी ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।पीड़ित दुकानदारों ने सोमवार को पट्टी कोतवाली पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।गौरतलब है कि जिस स्थान पर चोरी की घटना हुई है, वहां से महज 150 मीटर की दूरी पर करैला पुलिस चैकी स्थित है। चैकी के पास ही हुई चोरी की इस वारदात से पुलिस गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने कुछ ही मिनटों में वारदात को अंजाम दिया होगा, जबकि रात में पुलिस गश्त पर होने के दावे किए जाते हैं। मामले में कोतवाल आनंदपाल सिंह ने बताया कि पीड़ितों द्वारा तहरीर प्राप्त हुआ है और अगल-बगल लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

# खिचड़ी भोज का हुआ आयोजन

**बेलखरनाथ।** अखिल भारतीय सर्व जनहितकारी पार्टी के तत्वावधान में खिचड़ी भोज का आयोजन पट्टी नगर स्थित उमंग होटल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम नारायण चैबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष दीपक पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव विजय पाण्डेय सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों और विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, बिन्दू पाठक, अरुण द्विवेदी, संजय पांडेय विभव पाण्डेय श्रवण मिश्र चंडिका प्रसाद उमेश तिवारीसहित अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम नारायण चैबे ने कहा कि समरसता भोज भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जो समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है। ऐसे आयोजनों से आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और जनकल्याण की भावना को पहुंचाना है।कार्यक्रम के आयोजक प्रवीण मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और सामाजिक समरसता ही हमारी पार्टी का मूल आधार है। हम सभी को मिलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य करना होगा। कार्यक्रम का सफल संचालन अंकित दूबे ने किया। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

# सड़क हादसों में घायल को मिलेगा गोल्डन आवर में कैशलेस इलाज

**प्रतापगढ़।** सड़क हादसों में घायलों की जान बचाने के लिए भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिमह्व को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस लाइन के सभागार में जनपद के सभी थानों के उप-निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें सड़क हादसा पीड़ितों को गोल्डन आवर में कैशलेस इलाज देने के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि टीएमएस और ई-डार पोर्टल के जरिए मिलने वाली इस सुविधा में सात दिन तक 1.5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज किया जाएगा। इससे घायलों की रुपये के अभाव में जाने वाली जान बचाई जा सकेगी। एनआईसी कार्यालय के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अनिल कुमार के निर्देशन में रोल आउट मैनेजर ओम प्रकाश गुप्ता ने समस्त उपस्थित थाना उप-निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया एवं बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद टीएमएस और ई-डार पोर्टल के जरिए होगी पूरी प्रक्रिया जिसमे अस्पताल पहुंचने पर पीड़ित को तुरंत भर्ती कर टीएमएस पोर्टल पर उसकी पेशेंट आईडी बनाई जाती है, जिसकी सूचना संबंधित थाना प्रभारी की ई-डार आईडी पर जाती है। इसके बाद पुलिस अधिकारी दुर्घटना की जांच कर 24 घंटे के भीतर एक्सीडेंट आईडी (विक्टिम आईडी) जनरेट कर अस्पताल को अप्रूवल देता है, जिससे केस योजना में शामिल हो जाता है। अत्यंत गंभीर मामलों में सत्यापन के लिए 48 घंटे का समय निर्धारित है। योजना के तहत दुर्घटना के बाद पहले 60 मिनट यानी ह्यगोल्डन आवरह्व में बिना किसी भुगतान के इलाज सुनिश्चित किया जाता है। प्रत्येक पीड़ित को प्रति दुर्घटना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज सात दिनों तक मिलता है।

# अधिवक्ता हित के लिए आजीवन रहूंगा संघर्षरत : देवेश शुक्ल

## बारकौंसिल के प्रत्याशी ने बेल्हा में किया जनसंपर्क, मांगा समर्थन

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** बार कौंसिलआफ उत्तर प्रदेश के चुनाव का शुभारंभ होते ही प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान गति पकड़ लिया है। बता दे की बार कौंसिल का मतदान चार चरणों में होना है,जिसमें प्रथम चरण 16 जनवरी से शुरू हो गया है और दूसरा चरण 20 व 21 जनवरी एवं तीसरा चरण 27 व 28 जनवरी तथा चैथा चरण 30 व 31 जनवरी को होगा। बेल्हा में चैथे चरण में मतदान होगा। अपने अपने विजय श्री को लेकर प्रत्याशियों की भाग दौड़ तेज हो गई है। जिस जनपद में अभी तक मतदान नहीं हुआ है वहां पर प्रत्याशियों ने अपना-अपना जनसंपर्क अभियान की गति को तेज कर दिया है। सोमवार को प्रतापगढ़ पहुंचे बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के प्रत्याशी प्रयागराज के अधिवक्ता देवेश कुमार शुक्ल ने दीवानी न्यायालय व कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं के मध्य सघन जनसंपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील किया। जनसंपर्क के दौरान यहां के अधिवक्ताओं का उन्हें भरपूर समर्थन प्राप्त होता नजर आया। अधिवक्ताओं के समर्थन से गदगद देवेश कुमार शुक्ल ने कहा कि आप लोगों के स्नेह आशीर्वाद से यदि मैं बार काउंसिल के सदस्य पद पर आसीन होता हूं तो किसी भी अधिवक्ता के मान सम्मान में कभी कोई कमी नहीं आएगी उनका दुःख दर्द मेरा दुःख दर्द होगा। अधिवक्ताओं के हितों के लेकर सदैव में संघर्षरत रहा हूं और आगे भी मेरा यह संघर्ष अधिवक्ता हित में जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रयागराज व आस-पास के जनपदों से हमें अधिवक्ताओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। आप सबका मतरुपी स्नेह,आशीर्वाद इसी तरह बना रहना चाहिए। जनसंपर्क के दौरान उच्च न्यायालय इलाहाबाद बार एसोसिएशन की पूर्व संयुक्त महिला सचिव आंचल ओझा, सुशील,रूपेन्द्र पाण्डेय,प्रदीप, निखिल शुक्ल,मुकेश द्विवेदी, चंदन भट्ट, अवध नारायण शुक्ल, रामू शुक्ल,सुमित शुक्ल सहित आदि अधिवक्ता रहे।

# जिलाधिकारी ने ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

### ग्राम विकास अधिकारी को निलम्बित करने के निर्देश

**कौशांबी।** जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने सोमवार को विकास खण्ड सिराथू की ग्राम रघुनाथपुर में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विद्यालय के बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य अधूरा पाए जाने एवं गेट लगा न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को गेट लगवाने एवं बाउण्ड्रीवाल का कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय के शौचालय की साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने पर प्रधानाचार्य व ग्राम प्रधान को शौचालय की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से नामांकित बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाया जाय। शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाय एवं बच्चों को मानक के अनुरूप मध्यान्ह भोजन प्रदान किया जाय। उन्होने कक्षा में निपुण तालिका लगी न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को निपुण तालिक लगाने के साथ ही तालिका अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होने विद्यालय परिसर में स्थित ऑगनबाड़ी केन्द्र में पोषाहार का वितरण न पाए जाने एवं इ.सी.सी.ई. का उपयोग न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सी.डी.पी.ओ. को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने एवं पोषाहार का वितरण समयबद्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पंचायत भवन के निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन जर्जर अवस्था में पाए जाने पर खण्ड विकास अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को गॉव की नालियों एवं गांव में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था तथा सभी आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल के बाउण्ड्रीवाल का कार्य अधूरा व गेट न लगाने, सामुदायिक शौचालय की साफ-सफाई की स्थिति ठीक न पाए जाने आदि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर ग्राम विकास अधिकारी विनय कुमार चौधरी को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 03 सदस्यीय-परियोजना निदेशक, अधिशासी अभियंता लो.नि.वि. एवं सहायक वित्त व लेखाधिकारी बेसिक की टीम गठित कर जॉच कराने के निर्देश दिए।इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सिराथू भावेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

### मारपीट करने वाले दो सगे भाई सहित 03 अभियुक्त एक एक वर्ष कारावास तथा एक एक हजार के अर्थदण्ड से दण्डित

**कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र में लड़की के साथ रामबरन, रामेश्वर व श्रवण द्वारा छेडखानी, मार-पीट व जाति सूचक शब्दो का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की गयी है । इस सम्बन्ध में मु0अ0सं0 240/18 धारा 354ख/323/504/506 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट व 3(2)क एससी/एसटी एक्ट पंजीकृत हुआ जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ जिससे सम्बन्धित 03 अभियुक्तों रामबरन पुत्र लक्ष्मीचन्द वा रामेश्वर पुत्र लक्ष्मीचन्द वा श्रवण पुत्र रामचन्द्र निवासी सोधियामई थाना सैनी को दिनांक 19.01.2026 को न्यायालय स्पे0 जज पॉक्सो एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा प्रत्येक अभियुक्त को 01-01 वर्ष के साधारण कारावास व 1000-1000 /- रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

## न्यूज झरोखा

### भागी बालिका को बरामद करने के बाद आरोपी की लक्जरी वाहन में लेकर बालिका को बयान कराने मुख्यालय पहुंचे विवेचक

**कौशांबी।** संदीपन घाट थाना क्षेत्र से एक बालिका गायब हो गई थी जिसे कई दिनों बाद बरामद कर लिया गया है थाने के दरोगा सोमवार को बालिका को लेकर जनपद मुख्यालय मंझनपुर बयान कराने पहुंचे है इस दौरान उनके साथ एक महिला पुलिस और चौकीदार भी मौजूद था बताया जाता है कि बालिका को ले जाने वाले आरोपी के परिवार द्वारा उपलब्ध कराए गए लग्जरी वाहन में बालिका को लेकर उप निरीक्षक मंझनपुर मुख्यालय पहुंचे है बयान करने के मामले में आरोपी लगातार पुलिस का मददगार बना है जिससे पुलिस पीड़ित परिवार की कितनी मदद कर पाएगी या फिर आरोपी परिवार के पूरे मुकदमे में राहत देने का प्रयास थाना पुलिस करेगी इतना ही नही बालिका के बयान को पहुंचे उप निरीक्षक बालिका की आवभगत में कोई कमी नहीं छोड़ रहे थे उसे चाय नाश्ते की दुकान में ले गए और साथ में बैठकर चाय नाश्ता का आनंद लिया है जिससे भागी बालिका पर पुलिस का प्रभाव बने और पुलिस मनमानी तरीके से बालिका का बयान करवा करके आरोपी की मददगार बन जाए एक तरफ बरामद होने के बाद बालिका के परिजनों से उन्हें मिलने नही दिया जाता है दूसरी तरफ बरामद बालिकाओं की आव भगत कर आरोपियों के वाहन का प्रयोग किया जाता है आखिर बालिकाओं को भगाकर ले जाने वाले आरोपियों पर इतनी रहम दिली क्यों है और आरोपी पुलिस को वाहन क्यों उपलब्ध करा रहे हैं यह जांच का विषय है।

### 23 जनवरी को होगा मॉकड्रिल का आयोजन

**कौशांबी।** एडीएम (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर की अध्यक्षता में एन.आई.सी. सभागार में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी को ब्लैक आउट और मॉकड्रिल की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक संपन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि 23 जनवरी को पुलिस लाइन में मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नागरिक सुरक्षा, आपदा मित्र, अग्निशमन, पुलिस, स्वास्थ्य, बिजली एवं होमगार्ड आदि विभाग प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट के दौरान शाम 06 बजे चेतावनी के लिए सायरन बजाया जाएगा। मॉकड्रिल के दौरान लोगों को हवाई हमले और अन्य किसी आपात स्थिति से बचाव के बारें में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी आकाश सिंह व अधिशासी अभियंता विद्युत सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

### गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियों को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा गोष्ठी आयोजित

**कौशांबी।** जिले में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 2026 के शुभ अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं रैतिक परेड की तैयारियों के संबंध में श्री राजेश कुमार पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी, आर.आई. लाइन तथा जनपद के अन्य पुलिस अधिकारी/कमर्चारीगणों के साथ गोष्ठी किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, ड्यूटी प्लान एवं समन्वय व्यवस्था के संबंध में विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, सभी अधिकारियों एवं कमर्चारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं सतकर्ता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।गणतंत्र दिवस2026 के अवसर पर कार्यक्रम एवं रैतिक परेड को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराने हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

### विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत द्वितीय चरण पर होने वाले कार्यों के सम्बन्ध में एसडीएम ने की बैठक

**कौशांबी।** एसडीएम मंझनपुर एस.पी. वर्मा की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत द्वितीय चरण पर होने वाले कार्यों से सम्बन्धित बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में समस्त ए.ई.आर.ओ. को लेखन सामग्री आदि उपलब्ध कराते हुए निर्देशित किया गया कि अपने-अपने आवंटित बूथों से संबंधित नो-मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस वितरण/ सुनवाई नियत कार्यालय में उपस्थित रहकर करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अस्पष्ट फोटोग्राफ, 80+ आयु वर्ग के मतदाता, विशिष्ट मतदाताओं के नामों का सत्यापन, दिव्यांग आदि के चिन्हांकन/सत्यापन तथा 18-19 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं को अधिक से अधिक पंजीयन करा लिया जाये।इस अवसर पर अधिसूचित समस्त ए.ई.आर.ओ. विधानसभा मंझनपुर उपस्थित रहे।

### वारण्टी अभियुक्त को सराय अकिल पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कौशांबी** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा वाद संख्या 180/24 धारा 147 बीएनएसएस से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त राजिव कुमार पुत्र मुनीम कुमार निवासी सुरसैनी थाना सराय अकिल को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

### 03 वारण्टी अभियुक्तों को करारी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कौशांबी** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस टीम द्वारा वाद संख्या 39/2016 धारा 323/504/506 भादवि व 3(1)() एससी/एसटी एक्ट थाना करारी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित 03 वारण्टी अभियुक्तों 1. वेद प्रकाश लोध पुत्र जगेसर लोध 2. सुखदेव पासी पुत्र सम्पत पासी 3. जगेसर लोध पुत्र राजाराम निवासीगण ग्राम अमुरा थाना करारी को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया।

### पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

**कौशांबी** पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 19.01.2026 को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

### 21 जनवरी को रोजगार मेले का होगा आयोजन

**कौशांबी** शिक्षित अभ्यथियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लाक स्तर पर जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को ब्लाक परिसर कडा में एक दिवसीय अप्रेण्टिसशिप/रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 02 कंपनियों ने चयन की कार्यवाही करते हुए एस0आई0एस0 सिक्योरिटी लि0 ने 02 चयन तथा कृष्णा मारुति ने 18 चयन किये। रोजगार मेले में जिला सेवायोजन कार्यालय से विनोद कुमार सिंह कौशल विकास मिशन के ब्लाक प्रबंधक प्रतीक अवस्थी, जनशिक्षण संस्थान से राजू शुक्ला एवं ब्लॉक कडा के स्टाफ उपस्थित रहें।इसके साथ ही दिनांक-21 जनवरी, 2026, दिन बुधवार को ब्लाक परिसर सिराथू में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई0टी0आई0, डिप्लोमा एवं कौशल

## दुर्लभ हरियल पक्षी के शिकार में लिप्त दो आरोपी गिरफ्तार, 14 पक्षी सुरक्षित बरामद

**महेवघाट कौशांबी।** जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महेवाघाट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना महेवाघाट पुलिस ने हरियल पक्षी (एलोपेटेड ग्रीन पिजन) के अवैध शिकार में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष महेवाघाट धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सोमवार को अलवारा झील के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में लखन लाल पुत्र सुखलाल निवासी पूरब शरीरा तथा सुरेश पुत्र दुबतीलाल निवासी वार्ड नंबर 12, थाना पश्चिम शरीरा शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से 14 दुर्लभ हरियल पक्षी एवं शिकार में प्रयुक्त एक प्लास्टिक का जाल बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार हरियल पक्षी का शिकार भारत सरकार द्वारा पूर्णतः प्रतिबंधित है और यह वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत संरक्षित प्रजाति में शामिल है। सूचना मिलते ही मौके पर सरसवां रेंज के डिप्टी रेंजर मनोज कुमार को बुलाया गया, जिनकी मौजूदगी में बरामद सभी 14 हरियल पक्षियों को सुरक्षित रूप से वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मु.अ.सं. 13/26 के अंतर्गत धारा 3/51 वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 एवं धारा 325 बीएनएस में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वन्य जीवों के संरक्षण और अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेंगे।

### दो भाइयों को गोली मारने वाले की गिरफ्तारी पर एसपी ने घोषित किया 15000 का इनाम

घटना को तीन दिन बीत जाने के बाद नामजद 7 आरोपियों में एक भी नहीं हुए गिरफ्तार

**कोखराज कौशांबी।** कोखराज थाना क्षेत्र के चकमाहपुर में जमीन व समति के बटवारे को लेकर 16 जनवरी की शाम को दो सगे भाइयों आशीष कुमार और शिव कुमार के साथ मारपीट के बाद पैर में गोली मारकर घायल कर दिया गया कोखराज पर मु0अ0सं0 30/ 2026 धारा 191 (2) /191 (3)/115(2)/109(1)/3(5) बीएनएस पंजीकृत हुआ जिससे सम्बन्धित 07 वांछित अभियुक्तों 1खिन्नीलाल पुत्र रामपाल 2.शुगर सिंह उर्फ दारा सिंह यादव पुत्र रामपाल 3 रंधावा पुत्र खिन्नीलाल 4.धर्म सिंह पुत्र खिन्नीलाल 5.अनुज पुत्र खिन्नीलाल 6.भोला यादव पुत्र श्रवण 7.कविता पत्नी दारा सिंह निवासी चकमाहपुर थाना कोखराज की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा 15000 रुपए के ईनाम की घोषणा की गई है अभियुक्तगण घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे हैं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु गठित टीमों द्वारा लगातार दबिस दी जा रही हैं। घटना को तीन दिन भी जाने के बाद सात आरोपियों में एक भी आरोपी को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

## भरवारी कस्बे में नगर पालिका ने हटवाया अतिक्रमण

### विभिन्न अतिक्रमण कर्ताओं से नगर पालिका ने 2700 रुपए का जुर्माना वसूला

अखंड भारत संदेश

**भरवारी कौशांबी।** नगर पालिका परिषद भरवारी के कस्बा भरवारी के करारी रोड व नया बाजार महेवा घाट मार्ग पर सड़क की पटरी और नाली नाला के ऊपर स्थानीय लोगों के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था जिससे आए दिन जाम की समस्याएं उत्पन्न होती थी और आवागमन में लोगों को दिक्कतें होती थी जिलाधिकारी के निर्देशन में सोमवार को नगर पालिका परिषद भरवारी के अधिशासी अधिकारी राम सिंह लेखा लिपिक बबलू गौतम राकेश सरोज व थाना कोखराज की पुलिसबल के साथ करारी रोड व नया बाजार महेवा घाट मार्ग पर पहुंचे और सड़क की पटरी नाली नाला पर किए गए अतिक्रमण को नगर पालिका के अधिकारी तथा नगर पालिका परिषद भरवारी के अन्य कमर्चारियों के साथ अभियान चलाकर सड़क की पटरियों व नाला नाली से अतिक्रमण हटवाया गया तथा विभिन्न अतिक्रमण कर्ताओं से 2700 रुपए का जुर्माना नगर पालिका परिषद भरवारी द्वारा वसूल किया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान पूरे नगर में हड़कंप मचा रहा।

## न्याय ना मिलने से आक्रोशित पन्ना का पुरवा गांव के ग्रामीणों ने किया आमरण अनशन

अखंड भारत संदेश

### तालाब बहाली और अतिक्रमण हटाने की मांग

**कौशांबी।** मंझनपुर तहसील क्षेत्र के पन्ना का पुरवा गांव के निवासियों ने सोमवार को मंझनपुर स्थित कलेक्ट्रेट के सामने डायट मैदान में धरना प्रदर्शन नारेबाजी कर आंदोलन शुरू किया है मैदान में तमाम ग्रामीण अपनी मांग को लेकर बैठे रहे मौके से जिला अधिकारी और अपर जिला अधिकारी का वाहन गुजरा लेकिन उन्होंने मौके पर रुक कर अनशन कर रहे ग्रामीणों की बात सुनना उचित नहीं समझा है जिससे संवेदनहीनता का अंदाजा लगाया जा सकता है जिला प्रशासन की निष्क्रियता और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई न करने के विरोध में ग्रामीण आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशासन गांव के ऐतिहासिक तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने और उसे उसकी मूल स्थिति में बहाल करने में पूरी तरह विफल रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि जल निकाय को उसी स्थान पर बहाल किया जाए ग्रामीणों ने बताया कि पवन कुमार पांडे के नेतृत्व में उन्होंने 12 दिसंबर 2025 को भी उसी स्थान पर विरोध प्रदर्शन किया था। उस दौरान जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित पाल ने आंदोलन समाप्त करने का अनुरोध करते हुए व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया था कि मामले का 8–10 दिनों के भीतर कानूनी समाधान किया जाएगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की जाएगी। उसी दिन शाम को एसडीएम मंझनपुर, एस.पी. वर्मा ने प्रदर्शनकारियों से बैठक कर यह भरोसा दिलाया था कि 13 दिसंबर को पूरे तालाब क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया जाएगा। हालांकि एसडीएम द्वारा मात्र 5 फीट चौड़ा हिस्सा खुदवाकर गांव छोड़ दिया गया और उनका वादा अधूरा रह गया।ग्रामीणों का आरोप है कि एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो एसआईटी का गठन किया गया और न ही न्याय की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया। इसके उलट एसडीएम द्वारा शिकायत कर्ताओं को डराने-धमकाने और मामले को न उठाने की चेतावनी दी गई, अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई ग्रामीण पिछले 12 वर्षों से तालाब की बहाली के लिए तहसील और जिला प्रशासन के चक्कर लगा रहे हैं। इस मामले में तहसीलदार कोर्ट एसडीएम कोर्ट, जिला मजिस्ट्रेट और उच्च न्यायालय द्वारा तालाब बहाल करने के पक्ष में आदेश पारित किए जा चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तहसीलदार द्वारा अतिक्रमण कारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। पूर्व जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर हुई जांच में अतिक्रमणकारियों को आदतन अपराधी पाया गया, जिनके खिलाफ थाना सराय सरांय अकिल में कई एफआईआर दर्ज हैं। इसके बावजूद एडीएम और एसडीएम स्तर पर अतिक्रमण कारियों को संरक्षण दिए गए हैं।

## जैविक खाद बिक्री के नाम पर साढ़े तीन लाख रुपए ठगी करने वाले शातिरों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

**कौशांबी।** जैविक खाद के गोरख धंधे में गाजियाबाद की कंपनी के साथ मिलकर कौशांबी के युवक ने साढ़े तीन लाख रुपए की ठगी की है ठगी के इस मामले में अदालत के निर्देश पर गाजियाबाद की कंपनी के सीएमडी डायरेक्टर और कौशांबी के युवक के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है ठगी करने वाले लोगों की तलाश कोतवाली पुलिस कर रही है पुलिस का दबाव पड़ते ही ठगी करने वाले फरार बताए जाते हैं यहां तक की मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 00 24 सन 2026 दर्ज होने के बाद गाजियाबाद कार्यालय में भी ताला बंद करके जैविक खाद के नाम पर ठगी करने वाले लोग फरार हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक जनपद मुख्यालय मंझनपुर के रहने वाले संदीप सिंह पुत्र रामराज सिंह के पास शेषनारायण पांडे पुत्र राम लखन पांडे निवासी बट बंधुरी थाना करारी दो लोगों दिलीप गुप्ता और शैलेंद्र सिंह को लेकर संदीप सिंह के पास पहुंचे और कहां कि दिलीप गुप्ता कृषक इंडिया लिमिटेड वैशाली नगर गाजियाबाद के डायरेक्टर हैं और साथ में मौजूद शैलेश सिंह कंपनी के सीएमडी है यह दोनों लोग जैविक खाद एवं सामग्री का निर्माण करते हैं और झांसा देकर के जैविक खाद और कीटनाशक दबाए बेचने का दावा बनाकर संदीप सिंह से तीन लाख 50 हजार रूपए एचडीएफसी बैंक खाते में जमा करवा दिया लेकिन उसके बाद नाली का कीचड़ गोबर वा घटिया सामग्री को जैविक खाद के नाम पर भेजा गया जो किसानों के खेत में उपयोग करने लायक नही था जिस पर संदीप सिंह ने शिकायत दर्ज कराई और कहा कि घटिया सामान वापस लेकर जाएं और उनके द्वारा दिए गए 3 लाख 50 हजार रुपए वापस कर दें लेकिन रकम देने के लिए यह धोखेबाज शातिर तैयार नही हुए जिस पर मामले की शिकायत पुलिस से हुई लेकिन पुलिस ने भी इन शातिरों के खिलाफ मुकदमा नही दर्ज किया जिस पर संदीप सिंह ने जिला विवाद उपभोक्ता फोरम अदालत का दरवाजा खटखटाया जिस पर 3 लाख 50 हजार रुपए और 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ-साथ अदा करने वा 5000 क्षति पूर्ति वा अन्य रुपए दिए जाने का निर्देश हुआ लेकिन उसके बाद भी धोखेबाज लोगों ने रुपया वापस नही दिया जिस पर मामला अदालत की चौखट पर पहुंचा अदालत के निर्देश पर जैविक खाद के नाम पर ठगी करने वाले तीनों आरोपी शेषनारायण पांडे दिलीप गुप्ता और शैलेश सिंह के नाम पर मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 00 24 सन 2026 दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

## धरती से सोना चांदी निकालने के नाम पर महिला से 45 हजार रुपए की ठगी

**कौशांबी।** धरती के अंदर से सोना चांदी निकालने का झांसा देकर एक महिला से 45 हजार रुपए की ठगी कर ली गई है उसके रिश्तेदार भी ठगी में शामिल है जब महिला को एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हुई है तो उसने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की है जानकारी के मुताबिक सीता देवी मौर्य पत्नी मनोज कुमार मौर्य निवासी कटरा थाना करारी के घर में सोने चांदी जमीन में गड़े होने की बात कह कर जमीन से गड़े धन निकालने के नाम पर शातिरों ने 45000 रुपए की ठगी कर ली महिला के रिश्तेदार नोखेलाल मौर्या निवासी कोखराज गांव ने सैनी कोतवाली क्षेत्र के रामप्रकाश चमार उर्फ ओमप्रकाश पुत्र राम संजीवन चमार निवासी भैरवा को लेकर के महिला के घर पहुंचे और कहां कि तुम्हारे घर की जमीन में सोना चांदी का जेवर गड़ा हुआ है जमीन से धन निकालने का गुरु नोखेलाल बना था उसका चेला राम प्रकाश बना था दोनों ने कहा कि 31 दिन तक घर में पूजा पाठ करने के बाद सोना चांदी को निकाल दिया जाएगा पूजा पाठ में 45 हजार रुपए खर्च होगा जिसके लिए 45000 रुपए महिला से तीन बार में नोखे के सहयोग से रामप्रकाश ने ले लिया है भरोसा करके महिला ने 2 महीने पहले 45000 रुपए दे दिया उसके बाद घर में पूजा पाठ का ड्रामा करते रहे लेकिन ना तो कोई गड़ा धन निकाले हैं और ना रुपया वापस दिए हैं जब अपना 45000 रुपए की मांग महिला कर रही हूँ तो ठग बात नहीं कर रहे मोबाइल का सिम बंद कर देते हैं संपर्क नही करते हैं 15 जनवरी को दोनों को महिला ने कल्याणपुर के होटल के पास पकड़ लिया लेकिन चार पहिया गाड़ी नंबर अप 71 एल 9651 से दोनों को भगा दिया गया है महिला का कहना है कि अब एहसास होता है कि उनकी दोनों की शुरू से नियत खराब थी गाड़ी में भागने वाले की भी नियत खराब थी और जानबूझकर धोखाधड़ी और फ्रॉड किया है महिला की बेटी की शादी फरवरी महीने में होनी है बेटी की शादी के लिए रुपए की जरूरत है लेकिन ठग रुपए देने के लिए तैयार नही है महिला ने एसपी से फरियाद की है मामले में जांच हुई तो ठगो के साथ-साथ उन्हें फरार कराने वाले चार पहिया वाहन स्वामी की भी मुसीबत बढ़ेगी।

## भाजपा सरकार द्वारा बनारस में ऐतिहासिक मंदिर तोड़े जाने के बाद कांग्रेसियों ने किया धरना प्रदर्शन आंदोलन

**कौशांबी।** भाजपा सरकार द्वारा बनारस में ऐतिहासिक मंदिरों को तोड़ दिए जाने से नाराज कांग्रेसी नेताओं ने जनपद मुख्यालय मंझनपुर में जोरदार तरीके से धरना प्रदर्शन आंदोलन कर विरोध प्रकट किया है कांग्रेस नेताओं का कहना है कि एक तरफ भाजपा सरकार मंदिर की बात करती है दूसरी तरफ भाजपा सरकार मंदिर को नष्ट कर रही है विगत 10 जनवरी 2026 को भाजपा सरकार के द्वारा मणिकर्णिका घाट बनारस को ध्वस्त करा दिया गया था इस घाट का जीर्णोद्धार वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होलकर जी के द्वारा करवाया गया था .नाराज कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर जनपद कौशाम्बी कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ कांग्रेस नेताओं ने जोरदार आंदोलन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि मणिकर्णिका घाट वाराणसी में गंगानदी के तट पर स्थित एक प्रसिद्ध घाट है। इस घाट से जुड़ी भी दो कथाएं हैं। एक के अनुसार भगवान विष्णु ने शिव की तपस्या करते हुए अपने सुदर्शन चक्र से यहां एक कुण्ड खोदा था। इसके बाद जिला उपाध्यक्ष व मनरेगा कार्यक्रम को आडिर्नेटर मोहम्मद अकरम ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जयंती महारानी अहिल्याबाई होल्कर (1725-1795) मराठा साम्राज्य की एक महान और आदर्श शासिका थीं, जिन्होंने मालवा राज्य (इंदौर और महेश्वर) पर शासन किया; वह अपनी प्रजा-हितैषी नीतियों, धर्मपरायणता और भारत भर में मंदिर घाट,कुएँ व धर्मशालाओं के निर्माण के लिए जानी जाती हैं, खासकर काशी विश्वनाथ मंदिर के जीणोद्धार के लिए,और उन्हें 'लोकमाता' और 'पुण्यश्लोक' के रूप में याद किया जाता है. तत्पश्चात जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय बाबू जी ने कहा कि माता अहिल्याबाई होलकर जी उन्हें एक वीर योद्धा, दार्शनिक रानी और आदर्श शासक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने समाज और धर्म के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया! कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष अदील जाफरी सम्मू,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,शशि मिश्रा,श्याम सिंह भदौरिया,ब्लाक अध्यक्ष रावेंद्र सिंह यादव,प्रदीप सिंह पटेल,मोहम्मद मिजान,संगीता कोरी,विभा देवी, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,सौरभ पाण्डेय,राज राजपूत,कार्यालय प्रभारी हेमन्त रावत, बिफई लाल,इंद्रपाल रैदास,राहुल यादव,रमेश यादव,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## नाबालिक दलित बालिका को लेकर थाने पहुंचा अपहरण करने वाले युवक का पिता

**कौशांबी।** करारी थाना क्षेत्र के एक गांव से एक दलित नाबालिक बालिका का अपहरण 22 दिसंबर को कर लिया गया था मामले में लगातार बालिका की मां पुलिस अधिकारियों से अनुरोध कर रही थी लेकिन थाना पुलिस बालिका को बरामद करने में केवल ड्रामेबाजी तक सीमित रही बालिका के गायब करने में आरोपी युवक के साथ-साथ उसके पिता और कल्याण मुंबई में रहने वाले रिश्तेदार और कौशांबी थाना क्षेत्र के बड़गांव के धर्म राज की भूमिका पर भी सवाल खड़े थे शिकायती पत्र में सभी का नाम बालिका के परिवार के लोगों ने उजागर किया था बालिका का अपहरण करने के बाद कहां-कहां उसको रखा गया किसके संरक्षण में रखा गया और अपहरण करने में कौन-कौन शामिल रहा सब कुछ बालिका के मा ने खुलासा कर एप्लीकेशन पुलिस अधिकारियों को दिया उसके बाद जब सब कुछ खुलासा हो गया तो थाना पुलिस मजबूर हो गई और आरोपी युवक का पिता दलित नाबालिक बालिका को लेकर सोमवार को करारी थाना पहुंच गया है बालिका बरामद हो गई है लेकिन बालिका का अपहरण करने वाले को बचाने का प्रयास करारी पुलिस द्वारा लगातार किया जा रहा है जिससे करारी पुलिस के कार्यों पर सवाल खड़े हैं।

# सम्पादकीय

## ममदानी की जीत में भारत के लिए संदेश

**अपनी** वैचारिक घोषणाओं में ममदानी एक उदार समाजवादी मोर्चे के नजदीक हैं। यह एक बहुसंख्यकवादी राज्य को निरंकुशता की ओर खिसकने से रोकने के खिलाफ एक बहुत ही जरूरी रामबाण उपाय है जिसने पिछले एक दशक में लोकतांत्रिक भारत को बदल दिया है। शक्तिशाली और विरोधी वैचारिक गुटों के बीच उभरी दुनिया में अहिंसक स्वतंत्रता संग्राम से स्थापित अपनी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक साख वाले भारत को एक ममदानी की जरूरत है।

जोहरान ममदानी ने मैनहट्टन के एक बंद पड़े सबवे में संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े और सबसे महत्वपूर्ण शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में पद की शपथ ली। सबवे में शपथ लेना एक तरह से शहर के श्रमिकों और हाशिए पर रहने वाले लोगों के साथ ममदानी के संबंधों का प्रतीक है। उन्हें डेमोक्रेटिक सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने शपथ दिलाई जो अमेरिकी राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और लोकतांत्रिक समाजवाद के पथप्रदर्शक हैं। उनके साथ कांग्रेस सदस्य एलेजेंड्रिया कोर्टेज भी थीं।

भारतीय मीडिया में उनके ऐतिहासिक शपथ ग्रहण के बारे में शायद ही कोई कवरेज था और न ही इस बात का जिक्र था कि ममदानी के चुनाव का अमेरिकी राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्षीय राजनेता ने 'बिग एप्पल' (न्यूयार्क शहर का उपनाम) का प्रभार संभालने में कई वर्जनाओं को तोड़ दिया जो कि अभिजात वर्ग, अमीरों व अरबपतियों और अमेरिकी यहूदियों का गढ़ है।

हालांकि ममदानी और उनकी जीत का भारत में ज्यादा जिक्र नहीं हो रहा है। अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और दो बार के डेमोक्रेट गवर्नर एंड्रयू कुओमो को 50 प्रतिशत से अधिक वोटों से हराकर शानदार जीत हासिल करने के बावजूद सरकार ने अपने मीडिया संचालकों के माध्यम से ममदानी को गायब करने की कोशिश की। नस्ल, धर्म, जातीयता व आर्थिक पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर और बड़े पैमाने पर आप्रवासी टैग वाले दस लाख से अधिक न्यूयॉर्क वासियों ने दुनिया भर में हलचल पैदा करने वाले एक अभूतपूर्व चुनाव में उनके लिए मतदान किया था। यह केवल उनका गृह देश भारत है जिसने अपने 34 वर्षीय बेटे को उसकी अभूतपूर्व जीत पर सलाम नहीं किया जो एक असेंबली सदस्य से अमेरिका के सबसे अमीर शहर का नेतृत्व करने के लिए उभरा है। ममदानी के पास ऐसी कई बातें हैं जो पहली बार हुई हैं। मसलन, एशियाई व अफ्रीकी मूल के पहले अमेरिकी, पहले मुस्लिम और न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर। वे 'सलाम बॉम्बे', 'मानसून वेडिंग' और 'नेमसेक' जैसी फिल्मों के साथ विश्व स्तर पर प्रशंसित फिल्म निमार्ता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। महमूद ममदानी की किताब 'गुड मुस्लिम बैड मुस्लिम' हफ्तों तक न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर बनी रही जो 9/11 के हमले के तुरंत बाद प्रकाशित हुई थी। जोहरान ने कभी भी कुलीन विरासत में पैदा होने का आदर्श नहीं माना है। यह देखते हुए कि न्यूयॉर्क अपनी धरती पर 150 से अधिक राष्ट्रीयताओं की मेजबानी करता है, उन्होंने अप्रवासियों के मुद्दे को उठाया है।

# ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

**-ललित गर्ग-**

**ईरान** में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रुवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। ह्वविलायत-ए-फकीहह्व की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं।

जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं।

अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, ह्वविदेशी साजिशह्व का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता।

यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रुवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बबार्दी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रुव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है, लेकिन तात्कालिक पतन की भविष्यवाणियां अक्सर जल्दबाजी साबित होती हैं। यह संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि पहचान, वैचारिक दिशा और भविष्य की कल्पना का संघर्ष है।

ईरान का भविष्य संभवतः न तो अचानक क्रांति से बदलेगा और न ही केवल दमन से स्थिर रहेगा। यह एक लंबी, जटिल और अंतर्द्वंद्वों से भरी प्रक्रिया होगी, जिसके परिणाम न केवल ईरान, बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित करेंगे।

# कुलपति का उखड़ना उर्फ जिंदा समाज होने का ढोंग

**सर्वमित्रा सुरजन**

**बच्चों** को स्कूल न मिले, लेकिन मुसलमान स्कूल बनवाए ये अब समाज को मंजूर नहीं है। कट्टरता का ऐसा जहर समाज में घुल चुका है, जिसका इलाज करने में बरसों लग जाएंगे। और समाज को आईना दिखाने वाले साहित्यकार अगर मुद्दे पर आने की बात करें तो उन्हें सभा से अपमानित करके निकाला जा रहा है।

साल 2026 के शुरूआती हफ्ते में ही साहित्य जगत में एक ऐसा प्रकरण घटित हुआ, जिसने याद दिला दिया कि हम समाज के तौर पर जिंदा नहीं बचे हैं, केवल जिंदा होने का ढोंग कर रहे हैं। मानसिक तौर पर इतने गुलाम, इतने डरपोक और इतने चाटुकार तो हम तब भी नहीं थे, जब देश गुलाम था। लेखकों, साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षकों और कलाकारों इन सब में इतना साहस होता था कि वे न केवल ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लिखते थे, बल्कि समाज को भी जागरुक करते थे। अगर उनके पर्चों पर प्रतिबंध लगता, तो उनकी लेखनी बंधती नहीं थी, वो फिर चल पड़ती थी। लेकिन आज अपनी ही चुनी हुई सरकार का ऐसा खौफ नजर आ रहा है कि अपने सामने गलत होते देख कर भी नजरें फेर ली गई हैं। बिलासपुर के गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 7 जनवरी को लेखक और कहानीकार मनोज रुपड़ा को अपमानित करने का जो प्रसंग घटा, उससे सब वाकिफ हैं। कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल समकालीन हिंदी कहानी पर आधारित एक गोष्ठी में कहानीकारों और शोधार्थियों के बीच भाषण दे रहे थे। श्री चक्रवाल का विषय वाणिज्य और प्रबंधन रहा है, लेकिन कार्यक्रम विश्वविद्यालय का था, लिहाजा कुलपति उसमें भाषण दे रहे थे। एक कुलपति हर विषय का ज्ञाता हो, यह कतई जरूरी नहीं है। लेकिन कुलपति से कम से कम इतनी उम्मीद तो रखी जाती है कि वे भले विषय पर केन्द्रित भाषण न दें, भले उनका भाषण उबाऊ हो, लेकिन अपने अतिथियों से वे सम्मान का व्यवहार करें। इसके लिए तो केवल अच्छा इंसान होने की ही जरूरत है, संस्कार और शिष्टता निभाने के लिए कोई डिग्री जरूरी नहीं होती। मगर गुरु घासीदास विवि के इस प्रकरण में कुलपति ने सामान्य शिष्टता भी नहीं दिखाई। इस घटना का जो वीडियो प्रसारित हुआ है, उसमें नजर आ रहा है कि कुलपति चक्रवाल ने सामने श्रोताओं में बैठे मनोज रूपड़ा से ही पूछ लिया कि आप बोर तो नहीं हो रहे और उन्होंने केवल इतना कहा कि आप विषय पर बोलिए, तो श्री चक्रवाल एकदम उखड़ गए और मंच से ही

उन्होंने मनोज रूपड़ा से कहा कि आपको कुलपति से बात करने की तमीज नहीं है। आपको यहां किसने बुलाया। उन्होंने उस अधिकारी को भी तलब किया जिसने श्री रूपड़ा को आमंत्रित किया था। इस सबके बीच मनोज रूपड़ा उठे और सभा से निकल गए। दो-तीन लोग उन्हें रोकने की कोशिश करते हुए दिखते हैं, अन्यथा पूरी सभा में सब लोग ऐसे शांत बैठे रहे मानो कुछ गलत हुआ ही नहीं है। विश्वविद्यालय की वह सभा सही मायनों में आज के समाज का चेहरा दिखा रही थी।

इतना सब होने के बाद भी कुलपति चक्रवाल रुके नहीं, वे कहते रहे कि हमने बुलाया है, हमीं जाने को कह रहे हैं। और इस घटना के बाद भी 'इंडियन एक्सप्रेसङ्घ को दी गई अपनी सफाई में कुलपति ने कहा कि वे बोलते वक्त देर से देख रहे थे कि मनोज रूपड़ा का ध्यान कहीं और है और वे लगातार मोबाइल देख रहे थे। मैं उनसे अदब से पूछा कि क्या वे बोर हो रहे हैं। इस पर उन्होंने मुझसे विषय पर बोलने को कहा। यह मंच का अपमान था इसलिए मैंने उनसे कमरे से जाने को कहा। इसके बाद श्री चक्रवाल ने शिकायत की कि अब मुझे फोन पर गालियां दी जा रही हैं और मेरे खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। क्या यही हमारी संस्कृ ति है? कमाल है कि संस्कृति की याद कितने सुविधाजनक तरीके से आलोक चक्रवाल को याद आई है। वे यह बता दें कि अतिथि देवो भव क्या हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है। मनोज रूपड़ा वहां खुद नहीं आए थे। उन्हें बाकायदा आमंत्रित किया गया था। मान लें कि वे बतौर अतिथि वहां शामिल नहीं होते, तब भी उन्होंने कुलपति के पूछने पर ही कहा था कि आप विषय पर बोलें। इसमें श्री चक्रवाल को कुलपति पद का अपमान किस तरह दिख गया। दरअसल कुर्सी पर बैठे लोगों को अब आलोचना सुनने की आदत ही नहीं रही है। दिन-रात चाटुकारों से घिरे रहना, हां में हां मिलाने वाले लोगों को अपने साथ रखना, यही हर सरकारी दफ्तर की कुर्सी का किस्सा है। ऐसे में कोई कह दे कि आप विषय से भटक रहे हैं, तो इसे वे सही सलाह नहीं अपमान ही मानेंगे। बहरहाल, इस प्रकरण के बाद मनोज रूपड़ा के समर्थन में कई बयान आए। सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक इस घटना की खबर आई। क्या इससे यह माना जाए कि बतौर समाज हम पूरी तरह मरे नहीं हैं।

इस घटना को एक हफ्ते हो चुके हैं। आलोक कुमार चक्रवाल अब भी अपने पद पर बने हुए हैं। चूंकि मामला केन्द्रीय विश्वविद्यालय का है, इसलिए इसमें राज्यपाल कुछ कर नहीं सकते। वैसे भी मोदी सरकार की तरफ से नियुक्त किसी भी व्यक्ति से यह उम्मीद करना ही बेकार है कि वह किसी भी किस्म के अन्याय या अनाचार पर मुंह खोलेगा। लेकिन राजनैतिक दल, शिक्षक संघ, छात्र संघ, साहित्य संगठन, पत्रकार जगत, क्या इन सबकी भूमिका चंद पंक्तियों का बयान देने तक ही सीमित रहनी चाहिए।

सही-सही तारीख और वर्ष तो याद नहीं लेकिन शायद 2002 या 2003 में राज्य के वरिष्ठ पत्रकार राजनारायण मिश्र के खिलाफ कोई मामला दर्ज हुआ था तो ललितजी ने बाकायदा पत्रकार साथियों के साथ प्रेस क्लब से राजभवन तक विरोध मार्च निकाला था। यह सत्ता के सामने समर्पण न करने का ऐलान था। यह समाज के जिंदा रहने का सबूत था। लेकिन अब सत्ता के सामने लोटने को ही कौशल मान लिया गया है। ऐसे में साहित्य अकादमी में बैठे लोगों से क्या ही उम्मीद की जाए कि साहित्यकारों के सम्मान के लिए आवाज बुलंद करेंगे। दरअसल मौजूदा सत्ता में हर उस चीज के लिए हिकारत का भाव भरा है, जो उनके मुताबिक चलने से इंकार कर दे। इसलिए कहीं जेएनयू में विवाद खड़े करवाए जाते हैं, कहीं अल्पसंख्यकों के खिलाफ बोलने वालों को ज्ञानपीठ जैसा पुरस्कार देकर बाकी साहित्यकारों को औकात दिखाई जाती है। स्त्रियों, दलितों, अल्पसंख्यकों और समाज के सारे कमजोर तबकों को कुचलने का सिलसिला लगातार चल रहा है, फिर भी समाज में व्यापक तौर पर चुप्पी ही पसरी रहती है, तो सरकार का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। मौजूदा सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा के नाम पर उच्च शिक्षण संस्थानों में अंधविश्वास और रूढ़िवादी परंपराओं का विकास कर रही है। अभी खबर आई कि जबलपुर के नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में गौमूत्र और गोबर से कैंसर के इलाज के नाम पर रिसर्च के लिए मंजूर साढ़े तीन करोड़ की धनराशि का बेजा उपयोग किया गया है। कोई आश्चर्य नहीं कि डॉ. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान का मजाक उड़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि हमें हार्वर्ड रिटर्न नहीं हार्ड वर्क चाहिए। कैसा हार्ड वर्क मोदीजी को चाहिए इस तरह की खबरों से जाहिर होता है। ज्ञान के प्रति गहरी हिकारत की भावना मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान में शुरू से नजर आती थी, अब उसकी मिसाल कदम-कदम पर मिल रही है। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में ढाबा गांव में एक स्कूल के भवन को प्रशासन ने तोड़ दिया, जिसे अब्दुल नईम नामक व्यक्ति अपने 20 लाख रुपए खर्च करके बनवा रहा था। प्रशासन का आरोप है कि यह अवैध निर्माण है, जबकि नईम का कहना है कि वह एमपी बोर्ड के तहत नर्सरी से 8वीं तक का स्कूल खोलना चाहता था। बता दें कि गांव की आबादी करीब दो हजार है और उसमें केवल तीन मुस्लिम परिवार हैं। नईम के मुताबिक उन्होंने 30 दिसंबर को ही स्कूल शिक्षा विभाग में नर्सरी से 8वीं तक स्कूल खोलने का आवेदन दे रखा था और जमीन के कागज भी पूरे थे। लेकिन कुछ दिनों पहले किसी ने अवैध मदरसे की खबर चलाई और फिर प्रशासन ने स्कूल पर बुलडोजर ही चला दिया। जबकि मध्यप्रदेश में 83,000 से ज्यादा सरकारी स्कूल हैं, जिनमें 200 से अधिक स्कूल पेड़ की छांव या खुले में ही चलते हैं, उनका कोई भवन नहीं है।

बच्चों को स्कूल न मिले, लेकिन मुसलमान स्कूल बनवाए ये अब समाज को मंजूर नहीं है। कट्टरता का ऐसा जहर समाज में घुल चुका है, जिसका इलाज करने में बरसों लग जाएंगे। और समाज को आईना दिखाने वाले साहित्यकार अगर मुद्दे पर आने की बात करें तो उन्हें सभा से अपमानित करके निकाला जा रहा है। बाकी जनता यही देखकर खुश रहे कि मोदीजी पतंगबाजी कितनी उम्दा करते हैं।

## बंदूक की नोक पर अमेरिकी राजनयिकता

# विश्व व्यवस्था को दे रही चुनौती

**नन्तू बनर्जी**

**अमेरिका** के वैश्विक संबंधों की विशेषता बहुपक्षीय समझौतों से महत्वपूर्ण दूरी बनाना और वैश्विक कानूनी मानदंडों के लिए 'मनमानी उपेक्षा' के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बढ़ते आरोप हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका अपनी एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों के लिए बढ़ती आलोचना से थोड़ा भी परेशान नहीं लगता, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों और वैश्विक नेताओं द्वारा अवैध माना जाता है।

राज्य-प्रायोजित समुद्री डकैती के क्षेत्र पारंपरिक लाल सागर, ओमान की खाड़ी, सोमाली बेसिन से लेकर काला सागर और अब अटलांटिक तक फैल रहे हैं। अटलांटिक महासागर में हफ्तों तक पीछा करने के बाद, हाल ही में अमेरिका द्वारा रूसी झंडे वाले तेल टैंकर, मरीनरा, जिसे मूल रूप से बेला-1 के नाम से जाना जाता था, को जब्त करना, खुले समुद्र में समुद्री डकैती का एक कार्य माना जा सकता है। हाल के समय में पहली बार रूसी झंडा वाहक को जब्त करने की अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को वाशिंगटन द्वारा वेनेजुएला के तेल निर्यात को रोकने के प्रयासों के हिस्से के रूप में बताया जा रहा है।

अमेरिकी सुरक्षा बलों ने अटलांटिक महासागर में कई टैंकरों पर चढ़कर उन्हें जब्त कर लिया, जिसमें मरीनरा और गुयाना के झंडे वाला स्किपर भी शामिल था। उन्होंने वेनेजुएला से जुड़े पांच तेल टैंकरों को जब्त कर लिया, जिसमें से एक चीन के लिए था। अमेरिका ने अमेरिकी प्रतिबंध कानूनों के कथित उल्लंघन के लिए संघीय अदालत के वारंट के तहत इन जब्तियों का बचाव किया। उसने वेनेजुएला, चीन और रूस की निंदा को नजरअंदाज कर दिया, जिन्होंने इस कृत्य को 'निजी जहाजों की चोरी और अपहरण' और 'अंतरराष्ट्रीय समुद्री डकैती का कार्य' कहा। रूस और चीन ने इस कदम को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत अवैध बताते हुए इसका विरोध किया।

विडंबना यह है कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून का बहुत कम सम्मान करता है। राष्ट्रपति ट्रम्प के तहत, जब बाहरी दुनिया से निपटने की बात आती है, तो अमेरिका आत्म-महिमा की नीति से बहुत अधिक ग्रस्त है। यह दूसरे देश के राष्ट्रपति के आवास पर आधी रात को छापा मार सकता है, दर्जनों सैनिकों और नागरिकों को मार सकता है, उसे बंदी बनाकर अमेरिका ले जा सकता है, उसके सबसे महत्वपूर्ण ईंधन खनिज पर पूर्ण नियंत्रण कर सकता है, उसके निर्यात को रोक सकता है और आयातकों पर समुद्री डकैती के आरोप लगा सकता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर दूसरे देश पर कब्जा कर सकता है।

ऐसा लगता है कि अमेरिका अपनी सुविधा के अनुसार दूसरे देश से निपटने के लिए अपने कानून और सिद्धांत बनाता और उनका पालन करता है, चाहे वह वेनेजुएला, ग्रीनलैंड, केनडा, पनामा, कोलंबिया या मैक्सिको हो। ऐतिहासिक रूप से, अमेरिकी हस्तक्षेप चुनावी हस्तक्षेप (इटली, फिलीपींस) से लेकर शासन परिवर्तन (ईरान, क्यूबा) और बड़े पैमाने पर संघर्ष (अफगानिस्तान, इराक) तक अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए रहे हैं, अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा या लोकतंत्र फैलाने का हवाला देते हुए, लेकिन साम्राज्यवाद के आरोपों की ओर ले जाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डेनमार्क साम्राज्य के भीतर एक स्व-शासित, स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की अपनी इच्छा के बचाव में एक बेतुका तर्क दे रहे हैं, यह कहते हुए कि इसका मकसद चीन या रूस द्वारा इस रणनीतिक क्षेत्र पर संभावित कब्जे को रोकना है। अमेरिका के वैश्विक संबंधों की विशेषता बहुपक्षीय समझौतों से महत्वपूर्ण दूरी बनाना और वैश्विक कानूनी मानदंडों के लिए 'मनमानी उपेक्षा' के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बढ़ते आरोप हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका अपनी एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों के लिए बढ़ती आलोचना से थोड़ा भी परेशान नहीं लगता, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों और वैश्विक नेताओं द्वारा अवैध माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस और अन्य अधिकारियों ने कहा कि ये कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान नहीं करती हैं, जो किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ सैन्य बल के खतरे या उपयोग पर रोक लगाता है। राष्ट्रपति ट्रम्प कहते हैं कि उन्हें 'अंतरराष्ट्रीय कानून की आवश्यकता नहीं है' और अपनी नीतियों का मार्गदर्शन करने के लिए वे इसके बजाय 'अपनी नैतिकता' पर भरोसा करते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके कार्यों को कुछ लोग 'साम्राज्यवाद के युग में वापसी' के रूप में वर्णित करते हैं। पिछले साल, अमेरिका ने कथित तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति के बिना ईरान, इराक, सोमालिया और यमन सहित सात देशों में बमबारी की, जिसका वह एक महत्वपूर्ण सदस्य है।

वैश्विक व्यापार, वाणिज्य, रक्षा और कूटनीति से संबंधित अपनी एकतरफा कार्रवाइयों के लिए स्पष्टीकरण से बचने के लिए, ट्रम्प के अमेरिका ने कई अंतरराष्ट्रीय संधियों और संगठनों से हटने का फैसला किया है। सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की व्यवस्थित समीक्षा के बाद, अमेरिका ने इस साल 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से बड़े पैमाने पर हटना शुरू कर दिया, जिसमें जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन और पेरिस समझौता, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) शामिल हैं, जो शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यधिक विशिष्ट संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है।

# जनता दर्शन में पहुंची महिला को डीएम ने प्रदान की ट्राई साइकिल

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने आय प्रमाण पत्र में ज्यादा आय होने के कारण उपकरण प्राप्त न करने वाली दिव्यांग महिला को जनता दर्शन में ट्राई साइकिल प्रदान की। साथ ही दिव्यांग महिला को अन्य योजनाओं का लाभ देने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

जिला मुख्यालय के सोनेपुर स्थित ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के आयोजित प्रथम किस्त की स्वीकृति पत्र वितरण के लाइव प्रसारण के कार्यक्रम में तरौंहा के मणीकुंज निवासी दोनों पैरों से दिव्यांग महिला सुमन बाई से जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने दिव्यांग उपकरण के सम्बन्ध में जानकारी ली। जिस पर महिला ने बताया कि आय प्रमाण पत्र में आय अधिक होने के कारण से दिव्यांग पेंशन एवं उपकरण प्राप्त नहीं हो सका है। इस पर डीएम ने मामले को संज्ञान लेते हुये जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रियंका यादव को तत्काल सहायक उपकरण प्रदान करने के निर्देश दिए। जिसके क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के समय जिलाधिकारी ने सुमन बाई को ट्राई साइकिल प्रदान की। दिव्यांग लाभार्थी ने उपकरण प्राप्त होने पर जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा डीएम ने दिव्यांग महिला को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से भी लाभान्वित करने के लिए सम्बन्धितों को निर्देशित किया।

## सीडीओ ने किया सिद्धपुर गांव के विकास कार्यों का निरीक्षण

**चित्रकूट।** मुख्य विकास अधिकारी देवी प्रसाद पाल ने सोमवार को सदर विकासखंड के सिद्धपुर गांव में निमार्णाधीन विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यहां सीडीओ ने निर्माण कार्यों की प्रगति अवलोकन किया तथा गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सिद्धपुर गांव चल रहे निमार्ण कार्यों के तहत सीडीओ ने अन्नपूर्णा भवन, पंचायत भवन, पूर्व माध्यमिक विद्यालय में एमडीएम शेड, बाउंड्रीवाल, दिव्यांग शौचालय, इंटरलॉकिंग सड़क एवं अत्योष्ठि स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान सीडीओ ने निर्माण कार्यों की समयबद्धता, उपयोग में लाई जा रही सामग्री की गुणवत्ता तथा कार्यस्थल पर साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विकास प्रशासन की प्राथमिकता है और ऐसे निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से किए जाते रहेंगे। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी महिमा विद्यार्थी, मनरेगा उपायुक्त सहायक विकास अधिकारी धर्मेन्द्र यादव, ग्राम प्रधान रामकिंकर सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# भूमि पूजन कर नगर पंचायत द्वारा किया गया आनंदी माता मंदिर के सुंदरीकरण कार्य का शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** मऊ नगर पंचायत क्षेत्र स्थित मां आनंदी नगर वार्ड में सोमवार को मां आनंदी माता मंदिर के सुंदरीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया। यह सुंदरीकरण कार्य मऊ नगर पंचायत द्वारा कराया जाएगा।

मऊ उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने भूमि पूजन संपन्न कराया। बताया कि स्थानीय लोगों की लंबे समय से सुंदरीकरण की मांग को देखते हुए यह कार्य कराया जा रहा है। बताया कि बाजार रोड के चैड़ीकरण के दौरान नीम का पेड़ कटने के बाद वहां स्थापित मूर्ति को इस मंदिर में स्थानांतरित किया गया था। अब इस स्थानांतरित मूर्ति स्थल का भी अलग से सुंदरीकरण किया जाएगा, जिससे मंदिर की भव्यता बढ़ेगी। बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष का विकास कार्यों में बड़ा सहयोग मिल रहा है। उनके प्रयासों से मऊ नगर पंचायत में कई सड़कों का निर्माण कार्य जारी है, जिससे क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी। इस मौके पर मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य विनीत द्विवेदी, सभासद राजीव कुमार शुक्ला उर्फ कपिल शुक्ला सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# बिना फार्मर रजिस्ट्री नहीं मिलेगा उर्वरक, चित्रकूट डीएम ने दिए सख्त निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

**चित्रकूट।** चित्रकूट जिले में किसानों को बिना फार्मर रजिस्ट्री के उर्वरक नहीं मिलेगा। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगली समीक्षा बैठक में लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने सभी समिति सचिवों को निर्देशित किया कि साधन सहकारी समितियों से खाद वितरण के समय किसानों से फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से ली जाए। इसके लिए जन सेवा केंद्र (उरउ) और कृषि विभाग के तकनीकी सहायकों से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक किसानों की फार्मर आईडी बनवाई जाए।

डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि जहां भी उर्वरक का वितरण हो, वहां जन सेवा केंद्र के प्रतिनिधि और कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी अनिवार्य रूप से मौजूद रहें। किसानों को खाद देने के साथ-साथ मौके पर ही उनकी फार्मर आईडी भी बनाई जाए।

कृषि विभाग के सभी तकनीकी सहायकों को प्रतिदिन 30 फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने का लक्ष्य दिया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अगले सप्ताह की समीक्षा में सबसे कम प्रदर्शन करने वाले तीन तकनीकी सहायकों (बॉटम-3) पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मऊ के कुलदीप द्वारा सर्वाधिक फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने पर जिलाधिकारी ने उनकी सराहना की। वहीं, बैठक में अनुपस्थित रहने पर समिति सचिव मऊ बालेंद्र भूषण के विरुद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए गए। एआर कोऑपरेटिव को निर्देश दिए गए कि सभी समितियां समय पर खुलें और किसानों के बैठने के लिए छाया तथा शीतल जल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उर्वरक वितरण निर्धारित मानकों के अनुसार ही किया जाए।

डीएम ने उप कृषि निदेशक को यह भी निर्देश दिए कि क्षेत्रीय कर्मचारियों की दैनिक फोटोग्राफ के आधार पर ही मानदेय/वेतन आहरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों व सचिवों से किसानों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करते हुए डोर-टू-डोर फार्मर रजिस्ट्री अभियान को गति देने का आह्वान किया। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रशेखर, उप कृषि निदेशक राजकुमार, जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला, एआर कोऑपरेटिव राजेन्द्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी व समिति सचिव मौजूद रहे।

# भाजपा सरकार के गलत कार्यों का दमदारी से विरोध करेंगे कांग्रेसी : पुष्पेन्द्र

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** बनारस में ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को तोड़ने के मामले में कौंग्रसियों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उप-जिलाधिकारी का सौंपा है। साथ ही महापुरूषों के अपमान के मुद्दे पर संघर्ष करने का ऐलान किया है।

कौंग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कहा कि बीती 10 जनवरी को भाजपा सरकार ने एतिहासिक मणिकर्णिका घाट को बुल्डोजर से तहस-नहस किया है। वर्ष 1971 में माता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। बनारस के मंदिरों को जिस तरह से विकास के नाम पर तोड़ा जा रहा है, उसका कौंग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है और मांग करती है कि इस घटना के दोषियों की निष्पक्ष जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही माता अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति लगाए तथा संतों व सम्मानित नागरिक से सलाह कर सौंदर्यीकरण कराए। वरिष्ठ नेता पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि इस घटना की कौंग्रेस पार्टी निंदा करती है। बताया कि कौंग्रेस पार्टी मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत जनचैपाल के माध्यम से जनपद के मंडलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में आज रसिन मंडल के कोलउहां गांव में व नांदिन मंडल के खरसेडा ग्राम सभा में चैपाल लगाई गई है। कहा कि जब तक इस नए कानून को वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक कौंग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। पूर्व प्रत्याशी रंजना बराती लाल पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार में जिस तरह से मठ-मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही प्रयागराज में प्रशासन द्वारा साधु संतों के साथ शंकराचार्य को स्नान करने से रोकना बहुत ही निंदनीय है। कौंग्रेस पार्टी इसकी घोर निंदा करती है। अभियान समन्वयक ने कहा कि कौंग्रेस महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है, जिस तरह से राष्ट्रपिता का अपमान वर्तमान सरकार कर रही है, उसके विरुद्ध कौंग्रेस पदाधिकारी संघर्ष करेंगे।

इस मौके पर बुआराम शुक्ला, गज्जू प्रसाद, अनिल गुप्ता, शिव गुलाम वर्मा, कालीचरण राजपूत, चुनबाद प्रसाद प्रजापति, रावेन्द्र सिंह, जग जाहिर पटेल, राजेश सिंह, कामता प्रसाद द्विवेदी, रामकृपाल वर्मा, ओम प्रकाश गुप्ता, चंद्रशेखर सिंह, प्रेमी लाल सोनकर, हरिओम पांडेय आदि मौजूद रहे।

# श्रीमद्भागवत कथा की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

**चित्रकूट।** धर्मनगरी के तरौंहा स्थित रामबाग खाकी अखाड़ा में सोमवार को शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य शोभायात्रा निकालकर किया गया। इस दौरान जगद्गुरु रामभद्राचार्य महराज की उपस्थिति में खाकी अखाड़ा के बालयोगी अमृतदास महराज का पट्टाभिषेक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत पूजन व पट्टाभिषेक से हुई, जिसमें जगद्गुरु रामभद्राचार्य महराज व? संतों ने बालयोगी अमृतदास महाराज का? पट्टाभिषेक किया।? इसके बाद खाकी अखाड़ा से सभी अखाड़ों के निशान पूजन? के साथ भव्य कलश शोभायात्रा की शुरूआत हुई।? जिसमें हाथी, घोड़ों व हजारों की? संख्या में महिलाएं-पुरुष सहित संत भी शामिल हुए। शोभायात्रा? तरौंहा से धुसमैदान, पुरानी बाजार, काली देवी मंदिर चैराहा, पुरानी कोतवाली होते हुए राजा घाट पहुंची, जहां से कलश? में जल भर?कर यात्रा रामबाग खाकी अखाड़ा वापस पहुंची। यात्रा का तरौंहा चैगलिया, पुरानी बाजार में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महंत अमृतदास महराज ने कहा कि अखाड़ा में शतचंडी महायज्ञ व? सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की? शुरूआत होगी। शोभायात्रा में धर्मनगरी के सभी अखाड़ों के महंत, पूर्व सांसद रमेश चन्द्र द्विवेदी, भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता, समाजसेवी हरिओम करवरिया, जवाहर सोनी आदि मौजूद रहे।

## सीडीओ ने दिए खाता परिवर्तित करने के निर्देश

**चित्रकूट।** मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल ने विकास भवन में कार्यरत समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि कार्यालय में कार्यरत सभी राजकीय कर्मचारियों के इंडियन बैंक शाखा विकास भवन में संचालित बैंक खाते को सैलरी खाते के रूप में संचालित कराएं। यह निर्देश सीडीओ ने राजकीय कर्मचारियों का बैंक खाता सैलरी खाते के स्थान पर बचत खाते के रूप में संचालित किए जाने की सूचना को संज्ञान में लेकर दिया है। उन्होंने खाता परिर्वतन की कार्यवाही पूर्ण करते हुए एक सप्ताह के अंदर जानकारी मांगी है। बताया कि खाता परिर्वतन से राजकीय कर्मचारियों को सैलरी खाते से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

## धीरेंद्र शास्त्री चित्रकूट पहुंचे:जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मिले, बांदा से कथा के बाद गुरु का आशीर्वाद लिया

**चित्रकूट।** बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सोमवार देर रात बांदा में कथा संपन्न कर चित्रकूट पहुंचे। यहां उन्होंने अपने गुरु जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। यह मुलाकात लगभग आधे घंटे तक बंद कमरे में हुई। इस गोपनीय और आत्मीय मुलाकात के दौरान धर्म, संस्कृति, राष्ट्रहित और आगामी धार्मिक आयोजनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने गुरु से आशीर्वाद प्राप्त किया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के चित्रकूट आगमन की सूचना मिलते ही सीमित संख्या में श्रद्धालु और संत समाज के लोग आसपास एकत्रित हो गए। हालांकि, देर रात और निजी मुलाकात होने के कारण कोई सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। गुरु से आशीर्वाद लेने के बाद धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री देर रात ही बांदा के लिए रवाना हो गए। इस संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण दौरे को आध्यात्मिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। धार्मिक नगरी चित्रकूट में हुई संतों की यह भेंट भविष्य में बड़े धार्मिक आयोजनों और आध्यात्मिक गतिविधियों का संकेत मानी जा रही है।

# 114 राफेल की डील पक्की, सोर्स कोड पर सवाल, भारत-फ्रांस की दोस्ती रचेगी इतिहास

**चीन**

**भारत** ने राफेल फाइटर जेट को लेकर सबसे बड़ा और सबसे अहम कदम उठा लिया है। डिफेंस प्रिक्रोमेंट बोर्ड ने 114 राफेल मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट के प्रपोजल को क्लियर कर दिया है। अगर यह डील फाइनल होती है तो यह भारत के डिफेंस इतिहास की सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट डील होगी। लेकिन इस मेगा डील के साथ एक बड़ा विवाद भी चल रहा है। दरअसल डीपीबी क्लीयरेंस मतलब डील साइन नहीं हुई। लेकिन यह सबसे अहम पहला स्टेप होता है। इससे पहले टेक्निकल एवोल्यूशन, ऑपरेशनल जरूरत कॉस्ट एनालिसिस और लॉन्ग टर्म स्ट्रेटेजिक असेसमेंट इन सब पर कई सालों तक काम होता है।

डीपीबी की मंजूरी का मतलब है अगर आगे कोई बड़ी रुकावट नहीं आई तो 114 राफेल जेट्स भारत खरीदेगा। अब यहां सबसे बड़ा सवाल उठता है कि भारत को 114 फाइटर जेट्स की जरूरत क्यों है? दरअसल इंडियन एयरफोर्स की जरूरत है 42 स्क्वाडन। मौजूदा ताकत है 30 से 31 स्क्वाडन की। एक स्क्वाडन में 16 से 18 फाइटर जेट होते हैं। अब समस्या यह है कि टक्क21, टक्क2-27 और खॅ४१ यह सभी अगले कुछ सालों में रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में अगर नई खरीद नहीं हुई तो भारत की एयरफोर्स 28 से 29 क्वार्डन पर गिर सकती है। यह स्थिति भारत के लिए रेड अलर्ट है। खासकर तब जब पाकिस्तान और चीन दोनों फ्रंट एक्टिव हैं। अब भारत के पास विकल्प थे ऋ5, ऋ6, ग्रिफेन, एसयू, 57 आदि। लेकिन राफेल इसलिए चुना गया क्योंकि यह कॉम्बैट वन एयरक्राफ्ट है। भारत ने पहले भी 36 राफेल खरीदे हैं। इंडियन एयरफोर्स द्वारा पूरी तरह से टेस्टेड और ऑपरेशनल है। राफेल मल्टी रोल कैपेबिलिटी से लैस है। यह डीप स्ट्राइक, न्यूक्लियर डिलीवरी और मैरिटाइम स्ट्राइक में सबसे आगे है। यानी वन एयरक्राफ्ट मल्टीपल रोल्स और सबसे बड़ी बात नया एयरक्राफ्ट लेने में 5 से 7 साल सिर्फ टेस्टिंग में लगते हैं।

# ब्रिक्स देशों के नौसैनिक अभ्यास पर भारत का पहला बयान, अमेरिका नहीं बल्कि ये थी वजह!

**ब्राजील**

**विदेश** मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को कहा कि तथाकथित 'ब्रिक्स नौसेना अभ्यास' पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की पहल थी जिसमें कुछ ब्रिक्स सदस्य देशों ने भाग लिया था। भारत की 'ब्रिक्स नौसेना अभ्यास' में भागीदारी न करने से संबंधित टिप्पणियों का जवाब देते हुए जायसवाल ने कहा कि यह कोई नियमित या संस्थागत ब्रिक्स गतिविधि नहीं थी और न ही सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया था। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा हम स्पष्ट करते हैं कि विचाराधीन अभ्यास पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की पहल थी जिसमें कुछ ब्रिक्स सदस्य देशों ने भाग लिया था। यह कोई नियमित या संस्थागत ब्रिक्स गतिविधि नहीं थी और न ही सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया था। भारत ने पहले कभी इस तरह की गतिविधियों में भाग नहीं लिया है। इस संदर्भ में भारत जिस नियमित अभ्यास में भाग लेता है, वह आईबीएसएएमआर समुद्री अभ्यास है जिसमें भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाएं एक साथ आती हैं। आईबीएसएएमआर का पिछला संस्करण अक्टूबर 2024 में आयोजित किया गया था।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिक्स ब्लॉक के कई सदस्य देशों, जिनमें चीन, रूस और ईरान शामिल हैं, के संयुक्त नौसैनिक अभ्यास दक्षिण अफ्रीका के तट के पास शुरू हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका ने इन अभ्यासों को वैश्विक स्तर पर बढ़ते समुद्री तनावों के जवाब में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। शनिवार से शुरू हुए एक सप्ताह तक चलने वाले 'विल फॉर पीस 2026' अभ्यास का नेतृत्व चीन साइमन टाउन में कर रहा है, जहां हिंद महासागर अटलांटिक महासागर से मिलता है। चीन



के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन अभ्यासों में बचाव और समुद्री हमले के अभियानों के अभ्यास और तकनीकी आदान-प्रदान शामिल होंगे। भाग लेने वाले देशों के युद्धपोतों के साथ ये अभ्यास दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच हो रहे हैं। वाशिंगटन ब्रिक्स ब्लॉक को एक आर्थिक खतरा मानता है। ब्रिक्स शब्द इसके संस्थापक सदस्य देशों - ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका - के शुरूआती अक्षरों से मिलकर बना है, और दक्षिण अफ्रीका वर्तमान में इसकी अध्यक्षता कर रहा है। हालांकि, अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और ब्राजील ने अभ्यास में भाग नहीं लिया। चीन और ईरान ने विध्वंसक पोत भेजे, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने कोरवेट भेजे और दक्षिण अफ्रीका ने एक मध्यम आकार का फ्रिगेट तैनात किया।

**● अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और ब्राजील ने अभ्यास में भाग नहीं लिया। चीन और ईरान ने विध्वंसक पोत भेजे, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने कोरवेट भेजे और दक्षिण अफ्रीका ने एक मध्यम आकार का फ्रिगेट तैनात किया।**

# वेतन के लिए सड़कों पर उतरेंगे लाखों कर्मचारी, दिया अल्टीमेटम

**बलूचिस्तान**

**बलूचिस्तान** में सरकारी कर्मचारियों ने अपने लंबे समय से चल रहे विरोध आंदोलन को और तेज करने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि यह अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है और 20 जनवरी को क्वेटा में एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम वेतन में लगातार भेदभाव और आधिकारिक उदासीनता को लेकर सरकारी कर्मचारियों के बीच बढ़ते असंतोष को दशार्ता है। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, ग्रैंड अलायंस बलूचिस्तान के बैनर तले प्रांत भर के कर्मचारी बड़ी संख्या में क्वेटा जाने की तैयारी कर रहे हैं ताकि अपनी मांगों को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित प्रदर्शन में भाग ले सकें। गठबंधन कम वेतन पाने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए 30 प्रतिशत असमानता कटौती भत्ता (डीआरए) लागू करने की मांग कर रहा है, उनका तर्क है कि प्रांतीय विभागों में बढ़ती आय असमानता को पाटने के लिए यह कदम आवश्यक है।

गठबंधन के नेताओं ने कहा कि कठिन आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों में महीनों से चल रहे प्रदर्शनों के बाद विरोध प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गया है। उन्होंने जोर दिया कि आगामी रैली की सफलता लगभग 250,000 सरकारी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है और श्रमिकों से बिना देरी किए।

# 30% टैरिफ कर दो माफ, अमेरिका से उठी मांग, भारत ने ट्रंप को दिया तगड़ा जवाब

**अमेरिका**

**एक** तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टेरिफ को हथियार की तरह लेकर पूरे दुनिया में घूम रहे हैं। जहां वो कभी भी किसी भी देश को इससे डराने की कोशिश करने लगते हैं। सबसे हाल में उन्होंने यूरोपीय देशों को डराया है। जहां ग्रीनलैंड में उनके खिलाफ जाने पर टेरिफ लगाने की धमकी दी है। लेकिन वहीं अब भारत के जवाब से अमेरिका में हड़कंप मचा हुआ है। यह जवाब भारत ने टैरिफ लगा कर ही दिया है और अमेरिका में मांग उठने लगी है कि भारत से रिक्वेस्ट की जाए राहत देने की। दरअसल भारत अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात चल रही है और इसी बातचीत के बीच अब भारत की तरफ से दालों के ऊपर लगाए गए टैरिफ को लेकर यह मांग उठने लगी है।




जहां अमेरिकी सेनेटरों ने भारत द्वारा दालों पर लगाए गए 30% टैरिफ को हटाने की मांग की है। आपको बता दें सेनेटर अमेरिकी कांग्रेस यानी वहां के संसद में अपने राज्य के चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं और इन्हीं चुने हुए प्रतिनिधियों ने अब भारत के द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में भारत अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट में दलहन वाली फसलों के लिए अनुकूल प्रावधान शामिल करने की मांग की गई है। यानी कि सीनेटर अमेरिका को फायदा देने वाले प्रावधान लाने की अपील कर रहे हैं। इन सेनेटरों का कहना है कि भारत को अमेरिकी पीली मटर पर लगाया गया 30% का टैक्स हटाना चाहिए।

चिट्ठी में आगे बताया गया कि नॉर्थ डकोटा और मॉनटाना अमेरिका में मटर और दूसरी दलहन फसलों के सबसे बड़े उत्पादक राज्य हैं। वहीं भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है जो वैश्विक खपत का करीब 27% हिस्सा अकेले इस्तेमाल करता है। अमेरिकी सेनेटों ने आगे इस पत्र में लिखा भारत में मसूर, चना, सूखी बींस और मटर जैसे ज्यादा खाए जाने वाले दालें हैं। इसके बावजूद अमेरिकी दालों पर भारी टेररिफ लगाया गया है। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी किसानों को भारतीय बाजार में अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बेचने में नुकसान उठाना पड़ रहा है। चिट्ठी में आगे बात की गई कि भारत ने 30 अक्टूबर 2025 को पीली मटर पर 30% टेरिफ लगाया था जो 1 नवंबर 2025 से लागू हो चुका है।

अमेरिकी सेनेटरों के द्वारा यह मांग ऐसे समय में आई है जब हाल ही में जानकारी सामने आई कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर कई चरणों की बातचीत हो चुकी है और जल्द ही इसको लेकर कोई ऐलान हो सकता है। इसलिए अब अमेरिका के भीतर से यह मांग उठ रही है और राष्ट्रपति ट्रंप से उनके ही देश के लोग भारत से बात करने की मांग कर रहे हैं। आपको बता दें कि भारत ने भी अमेरिकी टेरिफ को देखते हुए कई चीजों पर टेरिफ को बढ़ा दिया था। जिसमें से दाल भी शामिल है।

# कुर्द भाषा को मिला राष्ट्रीय दर्जा, खत्म होगी दशकों की उपेक्षा?

**सीरिया**

**सीरिया** के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने एक ऐतिहासिक राष्ट्रपति अध्यादेश जारी किया है, जिसमें पहली बार देश के कुर्द अल्पसंख्यक के अधिकारों को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है। इसमें कुर्द भाषा को राष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना और पहले से ही राज्यविहीन कुर्द सीरियाई लोगों को नागरिकता बहाल करना शामिल है। देश के उत्तरी भाग में जारी तनाव के बीच शुक्रवार को घोषित इस कदम को अधिकारियों द्वारा दशकों से चली आ रही उपेक्षा को दूर करने और कुर्दों को सीरिया के राष्ट्रीय ढांचे में अधिक पूर्ण रूप से एकीकृत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया जा रहा है।

वर्ष 2026 के अध्यादेश संख्या 13 में कुर्द

मूल के सीरियाई लोगों को सीरियाई जनता का अत्यावश्यक और अभिन्न अंग घोषित किया गया है और यह पुष्टि की गई है कि उनकी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान राष्ट्र की विविध पहचान का एक अभिन्न अंग है। इस अध्यादेश के तहत, कुर्द भाषा को अरबी के साथ राष्ट्रीय भाषा घोषित किया गया है और इसे उन क्षेत्रों के सार्वजनिक और निजी विद्यालयों में पढ़ाया जा सकता है जहां कुर्द समुदाय महत्वपूर्ण संख्या में मौजूद हैं। इस फरमान में 21 मार्च को मनाए जाने वाले कुर्द नव वर्ष नवरोज को राष्ट्रव्यापी सवैतनिक सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है, जिसे वसंत और भाईचारे का राष्ट्रीय उत्सव बताया गया है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने सीरिया की संप्रभुता के दायरे में सांस्कृतिक और भाषाई विविधता की रक्षा करने और कुर्दों को अपनी मातृभाषा को विकसित करते हुए अपनी विरासत और कलाओं को संरक्षित करने के अधिकार की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

# बीच समुंदर 16 भारतीयों को उठा ले गया ईरान, पीएम मोदी को लिखी गई चिट्ठी

**दुबई**

**8 दिसंबर** सुबह सब कुछ सामान्य था। दोपहर 3:00 बजे एक फोन कॉल आया और उसके बाद 18 परिवारों की जिंदगी रुक गई। फोन पर एक महिला ने अपने पति की आवाज सुनी। उन्होंने कहा नेवी हमारा पीछा कर रही है। गोलियां चल रही है। इसके बाद फोन कट गया और फिर डेढ़ महीने तक सन्नाटा। यह कहानी है टैंकर वैलियंट रूट की और कहानी है 16 भारतीय नाविकों की जो आज भी ईरान की हिरासत में बंद है। दरअसल 8 दिसंबर 2025 को दुबई बेस्ड कंपनी ग्लोरी इंटरनेशनल एलएलसी का टैंकर वैलिंट रोड ओमान की खाड़ी में था। टैंकर पर कुल 18 लोग सवार थे। 16 भारतीय एक बांग्लादेशी और एक श्रीलंकाई। दोपहर करीब 3:00 बजे नाविकों ने अपने परिवारों को फोन पर बताया कि ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड यानी आईआरजीसी की नेवी उनके जहाज का पीछा कर रही है।

फोन पर गोलियों की आवाजें सुनाई दी। इसके बाद संपर्क टूट गया। 6 जनवरी को परिवारों से दोबारा संपर्क हुआ तब पता चला कि ईरान ने सभी 16 भारतीयों को पकड़ लिया है। 10 भारतीयों को जेल भेज दिया है। आठ लोग अब भी जहाज में कैद है। ईरान के बंदर अब्बास जेल में 10 भारतीय नाविक बंद है। उनमें शामिल है टैंकर के चीफ ऑफिसर अनिल कुमार सिंह। उनकी पत्नी गायत्री सिंह कहती हैं, पिछले 1/2 महीने से चैन की नींद नहीं सोई हूं। मेरे बेटे ने पीएमओ को 20 से 25



ईमेल किए हैं, लेकिन जवाब नहीं आया। मम्मी, मैं जल्दी घर आ रहा हूं। सरकार से ये उम्मीद है कि मेरे बच्चे को जल्दी भेज दे मेरे पास। बस। मोदी जी से भी यही हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हूं मेरे बच्चे को ऐसे सही सलामत से बस और कुछ नहीं चाहिए मुझे उम्मीद करती हूं मेरा बच्चा जल्दी आ जाए।

कैप्टन विनोद परमार के भाई के मुताबिक जहाज पर गोलियां चलाई गई कुछ नाविक घायल हुए सभी 18 लोगों को एक कमरे में बंद कर दिया गया सिर्फ बाथरूम जाने की इजाजत वह भी बंदूक की नोक पर मोबाइल लैपटॉप सभी सामान जब्त खाने के नाम पर सिर्फ थोड़ा सा राशन और सिर्फ पानी दिया गया।

यानी साफ शब्दों में मानवाधिकारों का उल्लंघन। टैंकर पर एक और इंजीनियर थे केतन मेहता लेकिन उनका कोई अता-पता नहीं। उनकी बहन शिवानी मेहता कहती हैं, हमें बस इतना पता है कि अब वह जहाज में नहीं है। ईरानी अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया है। मेरी मां दिल की मरीज हैं और आईसीयू में है। अब ईरान का आरोप है कि टैंकर 6 मिलियन लीटर डीजल की स्मगलिंग कर रहा था।

# पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत

**पाकिस्तान**

**पाकिस्तान** के पंजाब प्रांत में एक ट्रक शनिवार को घने कोहरे के कारण पुल से गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में तड़के हुई।

पंजाब आपात सेवा ह्यरेस्क्यू 1122ह्ल के प्रवक्ता के अनुसार ट्रक में 23 लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे, जो इस्लामाबाद से फैसलाबाद में एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। प्रवक्ता ने कहा, ह्यभारी कोहरे के कारण राजमार्ग बंद होने के कारण ट्रक स्थानीय मार्ग से जा रहा था। दृश्यता का स्तर कम होने के कारण चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो जाने से यह वाहन कोट मोमिन तहसील के गलापुर पुल से एक सूखी नहर में गिर गया।

उन्होंने बताया कि मृतकों में शामिल 14 लोगों में छह बच्चे और पांच महिलाएं शामिल थीं। उन्होंने बताया कि नौ लोग घायल हो गये और उनका इलाज कोट मोमिन के सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

# युवा पीढ़ी को विरासत सौंपना जरूरी

**अबू धाबी**

**अबू धाबी** के क्राउन प्रिंस और अबू धाबी कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने अबू धाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग द्वारा ऐतिहासिक कसर अल होसन स्थल पर 1 फरवरी 2026 तक आयोजित अल होसन महोत्सव 2026 का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, शेख खालिद बिन मोहम्मद ने कई हस्तशिल्प प्रदर्शनियों और कलाकृतियों का अवलोकन किया जो अमीराती सांस्कृतिक पहचान को दशार्ती हैं और अबू धाबी की विरासत को उजागर करती हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य राष्ट्रीय विरासत के मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे रोजमर्रा के सामुदायिक जीवन में समाहित करना है।

शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कहा कि अल होसन महोत्सव और अन्य सांस्कृतिक एवं विरासत कार्यक्रम राष्ट्रीय पहचान की रक्षा करने, युवा पीढ़ी में इसके मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समकालीन दृष्टिकोणों के माध्यम से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को सांस्कृतिक विरासत सौंपने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये दृष्टिकोण अंतर-पीढ़ीगत संबंधों को मजबूत करते हैं और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान के मूल तत्व के रूप में संरक्षित करते हैं। इस यात्रा के दौरान शेख खालिद के साथ राष्ट्रपति के विकास एवं शहीद वीर मामलों के उपाध्यक्ष शेख थेयाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान; राष्ट्रपति के विशेष मामलों के उपाध्यक्ष शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान; सहिष्णुता एवं सहअस्तित्व मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान; राज्य मंत्री शेख शखबूट बिन नाहयान अल नाहयान; राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी एजेंसी के अध्यक्ष शेख जायद बिन हमद बिन हमदान अल नाहयान; उप राज्य मंत्री शेख नाहयान बिन सैफ बिन मोहम्मद अल नाहयान; और शेख सुल्तान बिन हमदान बिन जायद अल नाहयान सहित कई अन्य शेख और उनके



बच्चे भी उपस्थित थे। अपने दसवें संस्करण में अल होस्न महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और गतिविधियाँ शामिल हैं जो प्रामाणिक अमीराती पहचान और विरासत को दशार्ती हैं, और उन सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक विरासत को उजागर करती हैं जिन्होंने पीढ़ियों से अबू धाबी समुदाय को आकार दिया है।

16 दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में सांस्कृतिक, कलात्मक और मनोरंजन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की जाती है जो अमीराती विरासत की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करती है और जीवंत और नवीन अनुभवों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा